

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
9303289950
7987166110

वर्ष- 18 अंक - 30 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सार-संक्षेप

कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर पुल का नाम अब 'नीतीश सेतु' सीएम सम्राट ने किया एलान

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को बिहार दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल का उद्घाटन कर इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस मेगा ब्रिज के शुभारंभ से पहले इसका नामकरण कर दिया है। इस पुल को पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को समर्पित कर दिया है। सीएम सम्राट चौधरी ने आज इसकी घोषणा भी कर दी। उन्होंने कहा कि इस पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा है। सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल का शुभारंभ करेंगे। अब इस पुल का नामकरण 'नीतीश सेतु' किया गया है। पीएम मोदी 21 नवंबर को इस पुल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को प्रधानमंत्री का बिहार आगमन हो रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल को देश को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विकास से जुड़ी कई योजनाओं की शुरुआत करेंगे।

सांसद कंगना रनौत की सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद

शिमला। लोकसभा सांसद कंगना रनौत के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हिमाचल प्रदेश पुलिस मुख्यालय में शिकायत पहुंची है। कैप्टन अतुल शर्मा ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को लिखित शिकायत सौंपकर मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और समयबद्ध साइबर फॉरेंसिक जांच करवाने का आग्रह किया है। शिकायत में 10 नवंबर 2026 को सोशल मीडिया पर साझा की गई एक पोस्ट की सामग्री पर आपत्ति जताई गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, कंगना रनौत के सत्यापित सोशल मीडिया हैंडल से साझा पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, संजय गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मौत से जुड़े घटनाक्रम का उल्लेख किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पोस्ट में इन ऐतिहासिक घटनाओं को लेकर ऐसे दावे और टिप्पणियां की गई हैं, जिनकी भाषा और प्रस्तुति पर आपत्ति है। शिकायतकर्ता ने इसे आपत्तिजनक बताते हुए पुलिस से इसकी जांच करने का अनुरोध किया है।

छत्तीसगढ़ में 5 दिन मौसम ड्राई, धीरे-धीरे बढ़ेगी ठंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम फ्लिहाल ड्राई बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि, प्रदेश में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। रायपुर में सुबह और रात के समय ठंड महसूस होने लगी है। गुरुवार को अंबिकापुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि दुर्ग में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक भी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है।

18 नवंबर को होगी साय कैबिनेट की बैठक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 18 नवंबर को मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित होगी। सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में सुबह 11:30 बजे से मंत्रियों की बैठक शुरू होगी। इस बैठक में विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र की तैयारियों के साथ ही धान खरीदी और राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है।

सूर्य उपासना का महापर्व 'छठ पूजा' आज से, नहाय-खाय के साथ होगी शुरुआत, कल खरना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में चार दिवसीय छठ महापर्व 13 नवंबर यानि आज शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगी। छठ महापर्व को लेकर छत्तीसगढ़ के तमाम शहरों में भव्य तैयारी की गई है। इस साल 13 नवंबर यानी शुक्रवार से नहाय खाय के साथ छठ पूजा शुरू होगी। दुर्ग भिलाई सहित राजधानी रायपुर व अन्य शहरों में छठ पूजा को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। पूरे प्रदेश में छठ पर्व को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां हैं।

छठ पूजा छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, कोरबा, बस्तर एवं अन्य शहरों में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। रायपुर में छठ पूजा 70 से अधिक स्थानों जैसे खारुन नदी के महादेव घाट, व्यास तालाब और अन्य तालाबों के किनारे इस वर्ष भी छठ पूजा धूम-धाम से मनाया जायेगा। नवा रायपुर अटल नगर में झांझ तालाब के किनारे भव्यता के साथ छठ पूजा का आयोजन किया जायेगा। जिला प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से शहर के खारुन नदी के महादेव घाट सहित सभी घाटों कि सफाई की जा रही है।



कल खरना 15 नवंबर को देंगे डूबते सूर्य को अर्घ्य

चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार 13 नवंबर को नहाय खाय के साथ प्रारंभ होगी। इस वर्ष नवंबर 13 से नवंबर 16 तक पूरे भारत सहित पूरे विश्व में छठ महापर्व हर्षोल्लास एवं परम्परा के साथ मनाया जायेगा। छठ महापर्व उत्तर भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है जो नवंबर 13 को नहाय-खाय से शुरू होगी और नवंबर 16 को खत्म होगी। खरना नवंबर 14 को होगा । 15 नवंबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। वहीं 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा का समापन होगा। इसके बाद प्रसाद का वितरण होगा।

14 दिसंबर से शुरू होगा छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन शत्र, 17 दिसंबर तक होंगी चार बैठकें

धान खरीदी और शिक्षकों की कमी को लेकर विपक्ष की सरकार को घेरने की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तारीखों की घोषणा हो गई है। विधानसभा का यह शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से शुरू होकर 17 दिसंबर तक चलेगा। चार दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कुल चार बैठकें होंगी। सत्र के दौरान सरकार वित्तीय कार्यों के साथ-साथ अन्य जरूरी शासकीय कार्यों को भी पूरा करेगी। विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा ने इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। विपक्ष धान खरीदी और शिक्षकों की कमी को लेकर सरकार को घेरेगा।

विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार सत्र की पहली बैठक 14 दिसंबर को होगी। सदन का कामकाज लगातार चार दिनों तक चलेगा, जिसके बाद 17 दिसंबर को सत्र का समापन कर दिया जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने इस सत्र के लिए चार बैठकों की समय-सारिणी निर्धारित की है। सूचना जारी होने के तुरंत बाद सचिवालय ने सत्र से संबंधित सभी आवश्यक विधायी प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाना आरंभ कर दिया है।



वित्तीय और शासकीय कार्यों का संपादन

शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार मुख्य रूप से वित्तीय कार्य निपटाएगी और महत्वपूर्ण शासकीय कामकाज को आगे बढ़ाएगी। चार बैठकों की इस अवधि में सदन में विभिन्न विषयों, शासकीय विधेयकों और वित्तीय प्रस्तावों पर चर्चा आयोजित होगी। सत्र के दौरान राज्य सरकार अपने कार्यों, प्राथमिकताओं और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े विषयों को सदन के पटल पर प्रस्तुत कर सकती है। इसके साथ ही प्रदेश के विधायकों को जनहित से जुड़े मुद्दों, क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों से संबंधित प्रश्नों को सदन में उठाने का पूरा अवसर प्राप्त होगा।

सचिवालय और विभागों में तैयारियां तेज

विधानसभा सचिवालय और शासन के विभिन्न विभागों में सत्र की प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। सचिवालय नियमावली के अनुसार विधायकों के प्रश्नों, प्रस्तावों तथा अन्य विधायी प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने का काम शुरू कर दिया गया है।

बंगलूरू को मिली नई मेट्रो

पीएम मोदी ने काउंटर से खरीदा टिकट, सीएम के साथ किया सफर

बेंगलुरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ सफर किया। साथ में गवर्नर सुधा यादव, सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री के बी गौड़ा भी मौजूद रहे। ट्रेन में चढ़ने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने काउंटर पर यूपीआई का इस्तेमाल करके टिकट भी खरीदा।

नम्मा मेट्रो का नया सेक्शन 14 नवंबर को सुबह 6 बजे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होने से बंगलूरू का चालू मेट्रो नेटवर्क 103.6 द्यद्व का हो जाएगा, जिससे यह दिल्ली के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन जाएगा। पिंक लाइन की कुल लंबाई 21.25 किमी है, जिसमें 18 स्टेशन हैं। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए एलिवेटेड कॉरिडोर में 6 स्टेशन हैं, जबकि अंडरग्राउंड सेक्शन में 12 स्टेशन होंगे। पिंक लाइन से उन यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है, जो बन्नेरघट्टा रोड से इलेक्ट्रॉनिक सिटी कॉरिडोर और मेट्रो नेटवर्क के अन्य हिस्सों की ओर सफर करते हैं। यहां इस नए सेक्शन के रूट, इंटरचेंज सुविधाओं, ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी और अन्य मुख्य विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई है। कलेना अग्रहारा को तावरेकेरे से जोड़ने वाली पिंक लाइन को लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसके उद्घाटन से बंगलूरू के मेट्रो नेटवर्क में एक बड़ा विस्तार हुआ है।





दक्षिण भारतीय लोगों ने हर्षोल्लास से की नाग देवता की पूजा

भिलाई। शुक्रवार को भिलाई में दक्षिण भारतीय परिवारों द्वारा नागुला चविति पर्व (नागपूजा) मनाया। सुबह की बेला में दक्षिण भारतीय परिवार पारंपरिक परिवेश में सांप की बांबियों के पास पूजा अर्चना की। इस दौरान दूध व अंडे का भोग लगाया गया। साथ ही आतिशबाजी भी की गई।

शराब सिंडिकेट का हिसाब संभालने वाला दुबई में गिरफ्तार, अनवर ढेबर तक पहुंचाता था रकम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 2,883 करोड़ रुपए से ज्यादा के कथित शराब घोटाले में लंबे समय से फरार आरोपी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को दुबई में गिरफ्तार किया गया है। उसे अक्टूबर 2026 के तीसरे सप्ताह में संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने पकड़ा था। गिरफ्तारी के बाद से वह यूएई के अधिकारियों की हिरासत में है। अब उसे भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि इससे जुड़ी जरूरी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। हालांकि, उसे भारत कब लाया जाएगा, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच में विकास अग्रवाल की भूमिका अहम बताई गई है। एजेंसी के मुताबिक, वह शराब सिंडिकेट में पैसों का हिसाब संभालता था। आरोप है कि वह डिस्टिलरी और FL-vA लाइसेंसधारियों से कमीशन वसूलता था। इसके बाद यह रकम अनवर ढेबर तक पहुंचाता था। ED ने उसे सिंडिकेट के पैसों के लेन-देन की अहम कड़ी बताया है। श्रष्ठ के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में 2019 से 2023 के बीच शराब सिंडिकेट ने अलग-अलग तरीकों से 2,883 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध कमाई की।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने सीएम साय को लिखा पत्र

छात्रावास-आश्रमों में भोजन की राशि तत्काल बढ़ाने की मांग, आवास बनाने का दिया सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले बच्चों के मेस भत्ते में बढ़ोतरी की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पिछले तीन साल से बच्चों के भोजन और नाश्ते के लिए तय राशि में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि इस दौरान खाद्य सामग्री की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में मौजूदा राशि में बच्चों को पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। सिंहदेव ने पत्र में छात्रावास अधीक्षकों की कार्य परिस्थितियों का मुद्दा भी उठाया है। उन्होंने कहा कि अधीक्षकों से 24 घंटे ड्यूटी ली जाती है। उन्हें न तो पर्याप्त छुट्टी मिलती है और न ही छात्रावास परिसर में परिवार के साथ रहने की अनुमति है। उन्होंने अधीक्षकों के परिवारों के लिए छात्रावास परिसर से अलग आवास बनाने की मांग की है।

सिंहदेव ने पत्र में लिखा है कि छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों के भोजन की राशि में तीन साल से बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस दौरान दाल, चावल, खाद्य तेल, सब्जियों, मसालों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर भोजन व्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि कम राशि के कारण बच्चों को सुबह का नाश्ता और दोनों समय पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना व्यावहारिक रूप से मुश्किल होता जा रहा है। इसका असर बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पढ़ाई पर भी पड़ सकता है।

17 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस वर्ष के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' के लिए नहीं चुना गया है और 2014 के बाद यह पहला मौका है जब खेल रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया है। करीब 36 मिनट तक चले इस समारोह में केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और खेल सचिव हरि रंजन राव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। चयन समिति की सिफारिशों के पुनर्मूल्यांकन के बाद इस बार कुल 17 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

कांकेर में योग और आयुष गतिविधियों के विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा

■ **आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक**

श्रीकंचनपथ न्यूज



कांकेर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल के बस्तर प्रवास के प्रथम पड़ाव कांकेर में सर्किट हाउस में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरीश मंडावी, जिला आयुष अधिकारी डॉ. ललिता शर्मा सहित आयुष विभाग के अधिकारी, गायत्री परिवार के प्रतिनिधि, योग शिक्षक, योग साधक एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जिले में योग, आयुष एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य गतिविधियों के विस्तार तथा आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

इस मौके पर योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि गायत्री परिवार, आयुष विभाग, आर्ट ऑफ लिविंग, पतंजलि सहित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के पास योग, स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में अपनी-अपनी विशेष क्षमताएं और अनुभव हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इन सभी क्षमताओं को एक साझा मंच पर लाकर जनहित में उनका बेहतर उपयोग किया जाए। योग आयोग का उद्देश्य केवल योग का प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली, योग के महत्व और उसके लाभों के प्रति जागरूक करते हुए समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरीश मंडावी एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. ललिता शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। दोनों अधिकारियों ने बैठक में रखे गए विषयों, सुझावों एवं प्रस्तावित गतिविधियों को गंभीरता से सुना। साथ ही जिले में आयुष गतिविधियों को आगे बढ़ाने व बेहतर कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की गई।



संपादकीय

गर्म होती दुनिया

जलवायु शिखर सम्मेलन से हो प्रभावी पहल

आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर प्रभावों का त्रास झेल रही है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा और चक्रवात के बढ़ते क्रम हमारे समय का यथार्थ हैं। यह साल लगातार गर्म साबित हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2026 उपलब्ध मौसम इतिहास के सबसे चार गर्म वर्षों में शुमार है। इस साल सितंबर तक का वैश्विक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। इस अप्रत्याशित तापमान वृद्धि की वजह 'अलनीनो' असर कहा जा रहा है, जिसके दिसंबर तक चरम पर पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह दुनिया में अनियंत्रित विकास ने भी तापमान बढ़ाया है, जो मौसम में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों का अहम कारक है। अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों ने विकास के लक्ष्यों हेतु पर्यावरण के प्रश्न को नजरअंदाज किया है। इंसानी लालच व मुनाफाखोरी के औद्योगिक विकास ने अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन करके ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों को बढ़ाया है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से उपजी त्रासदी झेल रहे ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विकसित देश विमुख हो जाते हैं। इसका सारा बोझ आखिरकार विकासशील व गरीब मुल्कों पर पड़ जाता है। ऐसे विषम हालात में तुर्किये में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन में उम्मीद की किसी भी किरण पर संदेह के बादल छाए हुए हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक हालात संभावना को मुश्किल बना रहे हैं। दुनिया में कई युद्धों और अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण नीतियों से विमुखता के चलते सम्मेलन से सार्थक नतीजों की उम्मीद कम ही है। हालांकि, अलनीनो मौसम प्रणाली का असर अभी चरम पर पहुंचना बाकी है, लेकिन नेपाल की भयावह त्रासदी ने आसन्न संकट का चित्र उकेर दिया है। निस्संदेह, 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' यानी सीओपी-31 की अपनी कुछ सीमाएं हैं, जिसमें जलवायु संरक्षण संबंधी बहुपक्षीय सहयोग की कमी और परस्पर विरोधी लक्ष्य शामिल हैं। ऐसे में मानवता को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक ईमानदार पहल की जरूरत है।

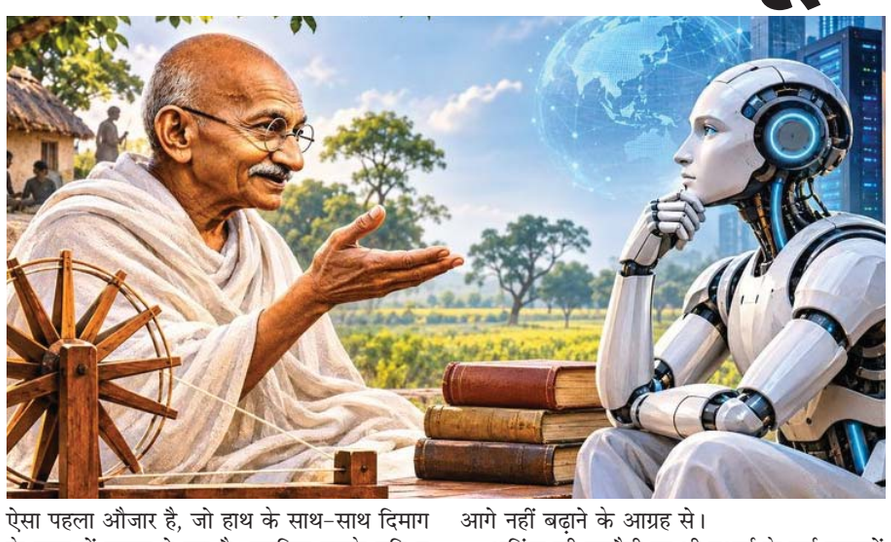
> "इस अप्रत्याशित तापमान वृद्धि की वजह 'अलनीनो' असर कहा जा रहा है, जिसके दिसंबर तक चरम पर पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह दुनिया में अनियंत्रित विकास ने भी तापमान बढ़ाया है, जो मौसम में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों का अहम कारक है। अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों ने विकास के लक्ष्यों हेतु पर्यावरण के प्रश्न को नजरअंदाज किया है। इंसानी लालच व मुनाफाखोरी के औद्योगिक विकास ने अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन करके ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों को बढ़ाया है।

यह हकीकत है कि वर्ष 1850 में वैश्विक तापमान का रिकॉर्ड रखे जाने की शुरुआत के बाद से पिछले 12 साल सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने चिंता जतायी है कि ग्यारह साल पहले हुए पेरिस समझौते का यह लक्ष्य कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए, अब हासिल न होगा। तभी 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' जैसे सम्मेलनों की सार्थकता को लेकर आलोचना होती है। विश्व समुदाय का निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि पिछले दशकों में इस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। तमाम सरकारें इस मुद्दे पर उदासीन नजर आती हैं। लेकिन इसके बावजूद बढ़ते तापमान और ग्रीनहाउस गैसों के भारी उत्सर्जन से निपटने के लिये ऐसे आयोजनों के जरिये गंभीर चर्चा करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। ग्लोबल साउथ के देशों के लिये बेहद जरूरी है कि वे अपने अलग-अलग और जटिल हितों के बीच उन उपायों को लागू करें, जिनको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने में आने वाली लागत को भी रेखांकित करें। तुर्किये में सीओपी-31 ऐसे समय में हो रहा है जब दिल्ली व अन्य कई शहर प्रदूषण के भयावह दौर से गुजर रहे हैं। समाधान बेअसर हैं और लोगों की सांसें घुट रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वायु प्रदूषण को कोविड महामारी की तरह 'जन-स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया जाए। वैश्विक पर्यावरण संकट के मद्देनजर यही बात तुर्किये शिखर सम्मेलन के संदर्भ में भी बिल्कुल सटीक बैठती है। लेकिन विडंबना यह है कि संपन्न और विकसित देश जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों को लेकर फिक्र का जिक्र तो करते हैं, लेकिन इस संकट के समाधान का हिस्सा नहीं बनना चाहते। दुनिया दशकों से जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को लेकर चिंता तो जता रही है, लेकिन संकट के समाधान रास्ते स्पष्ट होने के बावजूद गंभीर पहल नहीं की जा रही है। ग्लोबल साउथ के देशों की मांग एक हकीकत है कि जब तक संपन्न व विकसित देश वैश्विक तापमान नियंत्रण के लिये आर्थिक मदद नहीं देते, इस संकट से बाहर निकलना नामुमकिन ही होगा।

एआई के सवाल और बापू के जवाब

डॉ. संजय वर्मा

गांधीजी ने चरखे को केवल सूत कातने का यंत्र नहीं, आत्मनिर्भरता और गरिमा का प्रतीक बनाया था। एआई भी केवल एक यंत्र या तकनीक है। वह हमें निर्भर, विभाजित और प्रकृति-विरोधी बनाएगी या आत्मनिर्भर, समावेशी और संयमी—यह मशीन नहीं, हमारा...



गांधीजी ने चरखे को केवल सूत कातने का यंत्र नहीं, आत्मनिर्भरता और गरिमा का प्रतीक बनाया था। एआई भी केवल एक यंत्र या तकनीक है। वह हमें निर्भर, विभाजित और प्रकृति-विरोधी बनाएगी या आत्मनिर्भर, समावेशी और संयमी—यह मशीन नहीं, हमारा विवेक तय करेगा।

एआई पर दुनिया हरकत में है। एक तरफ अवसर हैं, दूसरी तरफ संकट। अवसर तकनीक से पैदा हुई तेजी का है, समस्या उसी तकनीक से सत्य, पहचान, नकल और रोजी-रोजगार को लेकर पैदा होते संकट की है। डीपफेक से लेकर छिनती नौकरियों और प्यासे डेटा सेंटरों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जो दिक्कतें खड़ी की हैं, उनका इलाज केवल कानूनों में नहीं, उन मूल्यों में भी है, जिन्हें समाज ने, दूरदर्शी मार्गदर्शकों ने और सुधारकों ने दशकों या शायद सदियों पहले गढ़ा था। जैसे गांधीजी ने मशीनी सभ्यता को लेकर जो कुछ कहा था, ऐसा लगता है कि एआई के इस दौर में वैसे ही सवाल हमारे सामने हैं। तो क्या गांधी-दर्शन एआई की समस्याओं का हल भी है?

आम धारणा है कि महात्मा गांधी मशीनों के धुर विरोधी थे। 1909 में 'हिंद स्वराज' में उन्होंने मशीनी सभ्यता की तीखी आलोचना की थी और चरखा उनकी पहचान बन गया था। पर यह आधा सच है। 1925 में उन्होंने 'यंग इंडिया' में साफ लिखा कि उनका ऐतराज मशीन से नहीं, मशीन के प्रति उन्माद से है। उसी लेख में उन्होंने सिलाई-मशीन को उन उपयोगी चीजों में गिना था, जिनका आविष्कार काम को सरल और बेहतर करने के क्रम में हुआ था। गांधी की चिंता यह थी कि मशीन किसके हित में चलती है। क्या वह मनुष्य का हित करती है या उसे बेकार, आश्रित और शोषित बनाती है? आज, जब एआई निबंध और शोध-पत्र लिख रही है, रोगों की पहचान कर रही है, फसल चक्र का सटीक अनुमान लगा रही है और चेहरे, आवाजें, वीडियो तक गढ़ रही है, गांधी का यही दर्शन पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। एआई कोई साधारण मशीन या तकनीक नहीं है। वह ऐसा पहला औजार है, जो हाथ के साथ-साथ दिमाग के काम में दखल दे रहा है। इसलिए उसके प्रति न तो अंधी आस्था ठीक है, न ही अंधा भय। जरूरत एक कसौटी बनाने की है, जिसमें गांधी के विचार काम आ सकते हैं।

गांधीजी ने 'यंग इंडिया' में ऐसे ही प्रश्नों पर विचार करते हुए सात पापों की सूची दी थी। उनमें से तीन आज के एआई-दौर में एकदम सटीक प्रतीत होते हैं: मानवता के बिना विज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार और चरित्र के बिना ज्ञान। मानवता के बिना विज्ञान वह है, जब तकनीक की होड़ इस सवाल को पीछे छोड़ दे कि उसका असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या होगा। नैतिकता के बिना व्यापार वह है, जब लोगों का डेटा, ध्यान (अटेंशन) और निजता (प्राइवेसी) मुनाफे का कच्चा माल बन जाएं। और चरित्र के बिना ज्ञान वह है, जब हर प्रश्न का उत्तर एक क्लिक पर मिले, लेकिन उसे परखने का विवेक न बचे।

गांधीजी के लिए सत्य ही ईश्वर था। एआई-युग में सत्य पर दोहरा संकट है। एक ओर डीपफेक हैं, जिनमें किसी का भी चेहरा और आवाज बनाकर सच का झांसा या आभास देने वाला झूठ गढ़ा जा सकता है। दूसरी ओर चैटबॉट हैं, जो कभी-कभी पूरे आत्मविश्वास से ऐसे तथ्य और संदर्भ रच देते हैं, जो हकीकत में होते ही नहीं हैं। डीपफेक और चैटबॉट का 'मतिभ्रम' सत्य पर हमला है। इनमें से एक से जान-बूझकर झूठ गढ़ा जा सकता है, दूसरे से मशीन के जरिए अनजाना असत्य पैदा किया जा सकता है। गांधी का सत्याग्रह यह सबक देता है कि सत्य की रक्षा केवल कानून से नहीं, नागरिक के आग्रह से होती है, यानी हर सूचना को परखने, स्रोत पूछने और झूठ को आगे नहीं बढ़ाने के आग्रह से।

अहिंसा की कसौटी पर भी एआई के कई सवालों को परखा जा सकता है। युद्ध में स्वायत्त हथियार, जो संकेत या निर्णय के लिए इंसानी दखल का इंतजार भी न करें, गांधी-दर्शन के हिसाब से सबसे बड़ा नैतिक प्रश्न होते। पर हिंसा केवल शारीरिक नहीं होती। किसी महिला की नकली और अश्लील छवि बनाना, ऑनलाइन उत्पीड़न या पक्षपाती एल्गोरिद्म से किसी को जरूरी कर्ज या नौकरी से वंचित करना भी हिंसा के ही रूप हैं, भले ही उसमें रक्त न बहे। और प्रकृति के प्रति हिंसा भी तब इसी श्रेणी में आती है, जब विशाल डेटा सेंटर भारी बिजली और पानी की खपत करें। वह भी तब, जब शहर, गांव-कस्बे पीने के पानी को तरस रहे हों।

स्वराज गांधी के लिए सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था, बल्कि वह आत्म-नियंत्रण का उपाय भी था। आज की तकनीक का कारोबारी मॉडल अक्सर हमारे ध्यान पर कब्जा करने पर टिका है। इसमें अंतहीन स्क्रॉल, लगातार सूचनाएं और ऐसे एआई-सहायक (एजेंट) बनाने पर जोर है, जो सोचने की मेहनत से ही छुटकारा दिलाते हैं। विद्यार्थी अगर हर उत्तर मशीन से लें, तो अभ्यास की गति भले बढ़ जाए, लेकिन समझ (मेधा) का अंतत: पतन ही होगा। अपने मन-मस्तिष्क पर नियंत्रण हासिल करना एआई-युग का सबसे कठिन और जरूरी स्वराज है। राष्ट्र के स्तर पर स्वदेशी का अर्थ है भारतीय भाषाओं और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप एआई, न कि हर समाधान के लिए बाहरी निर्भरता। इसी तरह, गांधी का ट्रस्टीशिप (न्यासिता) संबंधी विचार कहता है कि धनी व्यक्ति अपनी संपत्ति का स्वामी नहीं, समाज की ओर से उसका ट्रस्टी (न्यासी) है। एआई के युग में सबसे बड़ी संपत्ति डेटा और कंप्यूटिंग की ताकत है, जो कुछ गिनी-चुनी कंपनियों और देशों के पास सिमटती जा रही है। लोगों की आवाजों, चित्रों और शब्दों से बने और प्रशिक्षित हुए एआई पर समाज का हक होना चाहिए। उसके फायदे भी उन लोगों तक पहुंचने चाहिए, जिनके डेटा से वह बना है।

गांधीजी शारीरिक श्रम को सम्मान और महत्व देते थे। उनकी व्यवस्था में उत्पादन जन-समूह के हाथों से हो, केवल विशाल कारखानों से नहीं। एआई इधर जब क्लर्की और दफ्तरी कामों को बदल रहा है, तब सवाल यह है कि बचा हुआ समय और लाभ किसके हिस्से में जाएगा। क्या श्रमिक को नया कौशल और सम्मानजनक काम मिलेगा, या वह हाशिये पर धकेल दिया जाएगा? गांधी-दर्शन हमें एआई से मुंह मोड़ने को नहीं कहता है। वर्ष 1929 में उनसे जुड़े अखिल भारतीय चरखा संघ ने एक बेहतर, हल्का और अधिक उत्पादक चरखा बनाने पर एक लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की थी, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी। गांधीजी नवाचार के विरोधी नहीं थे, लेकिन मंशा यह थी कि नवाचार गांव, गरीब और श्रमिक के काम आए।

संतुलन के लिए गांधीजी ने अपने अंतिम दिनों में एक 'जंतर' दिया था। इसमें उन्होंने सूत्रबद्ध विचार पिरोते हुए कहा था कि जब भी संदेह हो, सबसे गरीब और कमजोर का चेहरा याद करो और खुद से पूछो कि तुम्हारा अगला कदम उसके लिए कितना उपयोगी होगा। इस जंतर को चार व्यावहारिक सवालों में बदला जा सकता है, जिन पर हर एआई प्रणाली को परखा जाए। पहला, क्या यह तकनीक अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है—उसकी भाषा में, उसके साधनों में? दूसरा, क्या यह सत्य और पारदर्शिता का सम्मान करती है, यानी क्या लोग यह जान सकते हैं कि निर्णय मशीन ने लिया और क्यों? तीसरा, क्या यह मनुष्य के स्वराज को बढ़ाती है या उसकी निर्भरता को, यानी क्या यह सोचने में मदद करती है या फिर विवेक और सोच-समझ की प्रक्रिया को कुंद करती है? चौथा, इसकी कीमत प्रकृति और श्रमिक ने कितनी चुकाई है?

भारत के एक नागरिक के तौर पर हमारे पास इन सवालों को केंद्र में रखने का अवसर भी है और नैतिक अधिकार भी। जिस देश ने दुनिया को अहिंसा और सत्याग्रह का विचार दिया, वह एआई के युग में 'मानव-केंद्रित' तकनीक का सबसे विश्वसनीय स्वर बन सकता है, बशर्ते हम खुद इन कसौटियों पर खरे उतरें।

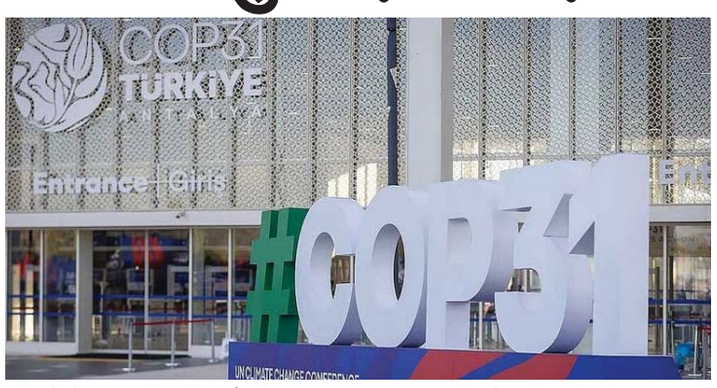
लेखक मीडिया यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

धरती बचाने हेतु लड़ाई लड़ने का वक्त

विरेन्द्र कुमार

कॉप-31 में पूर्ववर्ती कॉप सम्मेलनों की तरह केवल आखिरी समय की लीपापोती के बजाय जीवाश्म ईंधनों से दूरी बनाने के लक्ष्य पर सख्त निर्णय हों। कहा जा रहा है कि इस कॉप में विद्युतीकरण की बात प्रमुखता से उठेगी।

कॉप-31 कई कारणों से खास और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसे पहले ही क्रियान्वयन (इम्प्लीमेंटेशन) कॉप कहा गया है। यह 20 नवंबर तक यह तुर्किये के अंताल्या में चलेगा। पहली बार किसी कॉप सम्मेलन की जिम्मेदारी एक नहीं, बल्कि दो देश संभालेंगे। तुर्किये तो मेजबान है ही, लेकिन ऑस्ट्रेलिया प्रशांत द्वीप देशों के साथ मिलकर आधिकारिक जलवायु वार्ता का नेतृत्व और एजेंडा तय करेगा। तुर्किये के पर्यावरण मंत्री मूरत कुरूम कॉप-31 के अध्यक्ष हैं। ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन मंत्री क्रिस बोवेन वार्ताओं की अध्यक्षता करेंगे। इस कॉप के कुछ दिन पहले ही 21 अक्तूबर, 2026 को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने अपनी वार्षिक गैप रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, साल 2100 तक पूर्व-औद्योगिक काल की तुलना में वैश्विक तापमान में 2.6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा वृद्धि हो सकती है। ऐसा विश्व स्तर पर पृथ्वी को गर्म करने वाले उत्सर्जनों में जितनी कटौती होनी चाहिए और वास्तव में जितनी हो रही है, उनके बीच खाई बढ़ने के कारण हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि सारे देश आज अपने-अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती की घोषित प्रतिबद्धताओं पर पूरा अमल भी कर लें, तब भी 2100 तक वैश्विक तापमान में 2.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। पेरिस समझौता, जो कॉप-21 में पेरिस में हुआ था, उसमें कहा गया था कि आदर्श रूप से वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए। लेकिन यह लक्ष्य अब गंभीर संकट में है। जीवाश्म ईंधनों को छोड़ने के लिए कोई भी देश ईमानदारी से तैयार नहीं है। अत: जरूरी है कि कॉप-31 में पूर्ववर्ती कॉप सम्मेलनों की तरह केवल आखिरी समय की लीपापोती के बजाय जीवाश्म ईंधनों से दूरी बनाने के लक्ष्य पर सख्त निर्णय हों। कहा जा रहा है कि इस कॉप में विद्युतीकरण की बात प्रमुखता से उठेगी। इस कॉप को पृथ्वी को बचाने की लड़ाई लड़नी है।



गैप रिपोर्ट जारी होने के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने कहा कि अब 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार होने से कोई नहीं रोक सकता। गुटेरेश का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2026 तक ही है। कॉप-31 उनके लिए आखिरी पर्यावरणीय शिखर सम्मेलन होगा। उन्होंने तेल पर दी जाने वाली सब्सिडी को आत्मघाती कहा था। उन्होंने कहा था कि बड़े प्रदूषकों ने वायुमंडल को खुले सीवर में बदल दिया है। बड़े देशों को अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करनी चाहिए। किंतु इस कॉप में वे शायद ही भविष्य के लिए दबाव पैदा कर सकें। इस कॉप का इम्प्लीमेंटेशन कॉप बनना तो तय है। नेपाल ने इसका एजेंडा पहले ही दे दिया है। इम्प्लीमेंटेशन की शुरुआत लॉस एंड डैमेज फंड और क्लाइमेट फाइनेंस को पात्र देशों तक पहुंचाने तथा उसके त्वरित वितरण में आने वाली कमियों को दूर करने से होगी। साथ ही धनी और बड़े प्रदूषक देशों पर अपने जलवायु आपदा न्यूनीकरण और अनुकूलन कोष में अरबों डॉलर की वर्षों से लंबित देनदारियां तुरंत पूरी करने का दबाव डालना होगा।

26 अगस्त, 2026 की माउंटेन सुनामी का जिक्र करते हुए सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की 81वीं महासभा में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा था कि उनका देश वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1 प्रतिशत भी योगदान नहीं देता, किंतु उसे जलवायु परिवर्तन की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जलवायु आपदाओं से निपटने के लिए पर्याप्त अनुदान आधारित सहायता दी जानी चाहिए।

अभी तक बढ़ते उत्सर्जनों और तापमान वृद्धि से प्रशांत महासागर तथा अन्य सागरों के द्वीपों पर मंडराते जोखिमों को लेकर ही सम्मेलनों में चिंताएं जताई जाती रही हैं। कॉप-31 में भी इन पर अवश्य चर्चा होगी, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया प्रशांत द्वीप देशों के साथ मिलकर वार्ताओं की अध्यक्षता कर रहा है। किंतु नेपाल ने लैंडलॉक्ड यानी केवल जमीन से घिरे देशों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। गरीब देशों की मदद के लिए कोष बनाने पर निर्णय और सहमति कॉप-27 में बनी थी। भारी दबावों के बीच धनी देशों को अंतत: कार्बन प्रदूषण से प्रभावित गरीब देशों के लिए एक कोष की स्थापना के लिए हामी भरनी ही पड़ी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेश का कहना था कि हम उन देशों को पर्यावरणीय न्याय से वंचित नहीं कर सकते, जिनकी इस जलवायु आपदा को लाने में कोई भूमिका नहीं रही है। उनका आशय सबसे कम विकसित और द्वीपीय देशों से भी था, जिनका जलवायु आपदा पैदा करने में सबसे कम योगदान है, किंतु जो इसकी मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। नेपाल इन्हीं संदर्भों में जलवायु न्याय की बात कर रहा है।

इस कोष में अभी ज्यादा धन नहीं आया है और जितना धन इस कोष में है, उससे दस गुना ज्यादा की मांग वाले देशों के आवेदन लंबित हैं। अब अगली बोर्ड बैठक भी दिसंबर, 2026 तक ही होगी। इस परिप्रेक्ष्य में बालेन शाह का कहना था कि पहाड़ों में हिमस्खलन, क्लाउडबर्स्ट आदि आपदाएं अचानक आती हैं। इसलिए फंड भी तुरंत मिलना चाहिए।

इस समय ऊर्जा संकट का दौर भी चल रहा है। हर तरफ तेल और गैस के लिए आपाधापी मची हुई है। यहां तो तेल के लिए युद्ध हो रहे हैं, तेल के कुएं और रिफाइनरियां जलाई जा रही हैं। तेल और गैस से लदे जहाजों के पारगमन की बात हो रही है। ऐसे में क्या कॉप-31 में जीवाश्म ईंधनों से दूर जाने की बात ईमानदारी से हो सकेगी?

लेखक पर्यावरण वैज्ञानिक हैं।

संवेदना-संवाद और विश्वास से संवारे बचपन

प्रमोद कुमार बाजपायी

सवाल केवल यह नहीं है कि बच्चे हिंसा के शिकार क्यों हो रहे हैं; सवाल यह भी है कि हम उन्हें ऐसा बचपन देने में क्यों असफल हो रहे हैं, जिसमें हिंसा की जगह संवेदना, भय की जगह विश्वास और आक्रामकता की जगह संवाद हो?

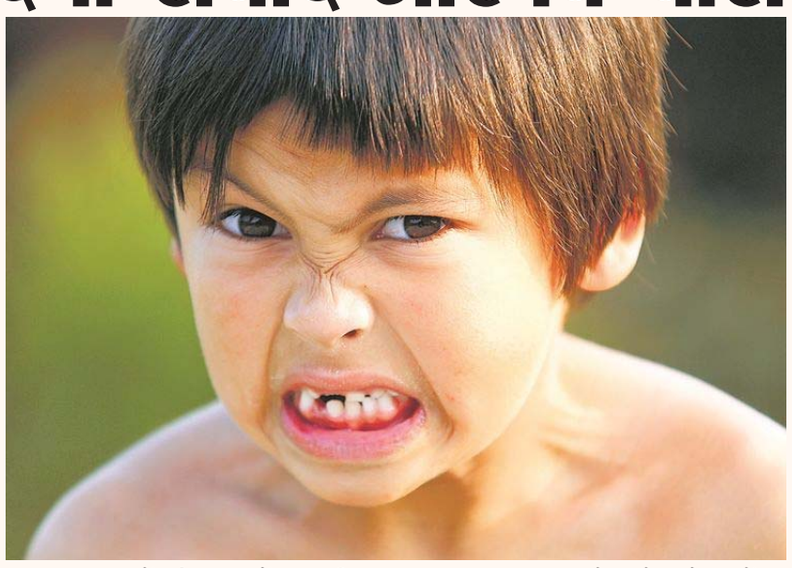
पिछले दिनों बच्चों के हिंसक और असामान्य व्यवहार से जुड़ी कई घटनाएं सामने आईं। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में एक 12 वर्षीय लड़की ने चार साल के बच्चे को छत पर बनी पानी की टंकी में डुबो दिया। वहीं, पंचकूला के एक सरकारी स्कूल में छह वर्षीय बच्ची के साथ हुई बर्बरता की खबर ने संवेदनशील समाज को भीतर तक झकझोर दिया।

आखिर इतनी कम उम्र में बच्चों में इतना गुस्सा कहां से आ रहा है? स्कूल परिसर में एक मासूम बच्ची की सुरक्षा सुनिश्चित क्यों नहीं हो सकी? सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आज बचपन पहले की तुलना में अधिक असुरक्षित होता जा रहा है?

पंचकूला की घटना में पीड़ित बच्ची की पीड़ा और उसके भविष्य पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ हिंसा करने वाले आठ वर्षीय बच्चे के व्यवहार को समझना भी जरूरी है। बच्ची को न्याय, सुरक्षा और मनोवैज्ञानिक सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चे के परिवेश और मन:स्थिति की पड़ताल भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चा परिवार और परिवेश में जो देखता है, उसे अपने व्यवहार में उतारने की कोशिश करता है।

दरअसल, बाल हिंसा की अवधारणा किसी बच्चे के साथ मारपीट या यौन शोषण तक सीमित नहीं है। इसमें शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना, अपमान, धमकी, भावनात्मक उपेक्षा, बुलिंग, बाल श्रम, तस्करी और डिजिटल माध्यमों से होने वाला शोषण भी शामिल है। हिंसा घर, विद्यालय और डिजिटल दुनिया में भी होती है। बच्चों की डिजिटल माध्यमों तक पहुंच तेजी से बढ़ी है, लेकिन सुरक्षा और मार्गदर्शन के उपाय उस अनुपात में विकसित नहीं हुए हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मई 2026 के तथ्यपत्र के अनुसार, विश्व में दो से 17 वर्ष आयु वर्ग के लगभग एक अरब बच्चे पिछले एक वर्ष में शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा अथवा उपेक्षा का अनुभव कर चुके हैं। यह समस्या किसी देश, संस्कृति या आर्थिक वर्ग तक सीमित नहीं है। भारत की स्थिति भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2023 में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,77,335 मामले दर्ज हुए, जो वर्ष 2022 के



1,62,449 मामलों की तुलना में 9.2 प्रतिशत अधिक थे।

बाल हिंसा का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि हिंसा का भुक्तभोगी बच्चा कई बार स्वयं हिंसक व्यवहार करने लगता है। घर में मारपीट, गाली-गलौज, अपमान और भय का वातावरण बच्चे के मन पर गहरी छाप छोड़ता है। वह ताकत के इस्तेमाल को अपनी बात मनवाने का तरीका समझने लगता है और अपने भीतर के अभाव, हताशा व आक्रोश को दूसरे बच्चों पर उतार सकता है। आज परिवारों की संरचना, जीवनशैली और प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। माता-पिता की व्यस्तता, प्रतिस्पर्धा का दबाव, पारिवारिक कलह और बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अभाव एक नई चुनौती बनकर उभरे हैं। कई बार माता-पिता बच्चों की भौतिक आवश्यकताओं को पूरा करना ही अपनी जिम्मेदारी समझ लेते हैं, जबकि उनकी भावनात्मक जरूरतों, असुरक्षाओं और मन में चल रहे द्वंद्व को समझने के लिए समय नहीं निकाल पाते।

डिजिटल माध्यमों ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। मोबाइल गेम, सोशल मीडिया, हिंसक वीडियो और इंटरनेट पर उपलब्ध अनुपयुक्त सामग्री बच्चों की सोच और व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब ऐसी सामग्री पर कोई नियंत्रण न हो और बच्चा वास्तविक व आभासी दुनिया के अंतर को समझने में कठिनाई महसूस करे। विद्यालयों की भूमिका भी केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने और परीक्षा परिणाम सुधारने तक सीमित नहीं रह सकती। स्कूलों में सुरक्षित वातावरण, प्रशिक्षित शिक्षक, प्रभावी निगरानी और शिकायत निवारण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।

पंचकूला के जिस स्कूल में घटना घटी, वहां 800 बच्चे और 20 शिक्षक हैं, लेकिन घटना वाले दिन 12 शिक्षक अनुपस्थित थे। यानी उस दिन प्रभावी रूप से प्रति 100 बच्चों पर केवल एक शिक्षक उपलब्ध था। इतने शिक्षकों का एक साथ अनुपस्थित होना चिंताजनक है। भारत में बाल संरक्षण के लिए किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम और शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। आवश्यकता इनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। स्कूलों में नियमित मनोवैज्ञानिक परामर्श, व्यवहार संबंधी कठिनाइयों की समय रहते पहचान, शिक्षकों का संवेदनशील प्रशिक्षण और अभिभावकों के लिए सकारात्मक पालन-पोषण संबंधी कार्यक्रम विकसित किए जाने चाहिए। बच्चों को यह विश्वास होना चाहिए कि वे किसी भी भय, दुर्व्यवहार या परेशानी के बारे में बिना डरे किसी विश्वसनीय वयस्क को बता सकते हैं।

हिंसा के शिकार बच्चों के लिए शारीरिक उपचार के साथ दीर्घकालीन मनोवैज्ञानिक सहयोग की व्यवस्था होनी चाहिए। दूसरी ओर, हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चों के मामले में भी उनकी उम्र, मानसिक परिपक्वता, पारिवारिक परिस्थितियों और व्यवहार संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की सहायता ली जानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और हिंसक प्रवृत्ति वाले बच्चों को समय रहते समझकर संभाला जा सके।

सवाल केवल यह नहीं है कि बच्चे हिंसा के शिकार क्यों हो रहे हैं; सवाल यह भी है कि हम उन्हें ऐसा बचपन देने में क्यों असफल हो रहे हैं, जिसमें हिंसा की जगह संवेदना, भय की जगह विश्वास और आक्रामकता की जगह संवाद हो?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें



निगम आयुक्त ने खुर्सीपार क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर में नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जोन क्रमांक-4 शिवाजी नगर खुर्सीपार अंतर्गत श्रीराम चौक ग्राउंड, डिजिटल लाइब्रेरी, कॉलेज ग्राउंड एवं आईटीआई ग्राउंड का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने श्री राम चौक ग्रांउड, आई टी आई ग्रांउड, डिजिटल लाइब्रेरी एवं अन्य स्थलों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं बेहतर रखी जाएं। साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से सफाई कार्य कराया जाए, ताकि नागरिकों एवं विद्यार्थियों को स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण मिल सके। आयुक्त ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई एवं रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जहां भी व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मैदानों एवं सार्वजनिक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए।

धान फसल को लेकर कृषि विभाग ने जारी की एडवायजरी

दुर्ग। जिले में धान की फसल को पेनिकल माइट के प्रकोप से सुरक्षित रखने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। किसानों को फसल की बेहतर देखभाल एवं कीट नियंत्रण के लिए आवश्यक तकनीकी सलाह और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। उप संचालक कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में धान की कुल बोआई का रकबा लगभग 1.34 लाख हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि पूरे जिले में इस कीट का प्रकोप नहीं है, बल्कि कुछ सीमित क्षेत्रों में लगभग 795 हेक्टेयर में इसका आंशिक प्रभाव देखा गया है। कृषि विभाग के मैदानी अमलों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा किसानों को समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा धान की कुछ किस्मों में दूध भरने की संवेदनशील अवस्था और मौसम में हो रहे बदलाव को देखते हुए किसानों के लिए तकनीकी एडवाइजरी जारी की गई है। कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा (अ) के वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इस सूक्ष्म कीट का वैज्ञानिक नाम स्टेनेओटार्सोनेमस स्पिंकी है। यह कीट मुख्य रूप से धान के गभोट और बालियों के दानों में रस चूसकर नुकसान पहुंचाता है।

भिलाई इस्पात संयंत्र की कोमल मेहरा को 'एक्सीलेंस इन इंस्ट्रक्शनल लीडरशिप' पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी की एजीएम प्रोजेक्ट्स कोमल मेहरा को ग्लोबल वुमेन एक्सीलेंस अवार्ड्स-2026 के अंतर्गत 'एक्सीलेंस इन इंस्ट्रक्शनल लीडरशिप' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार नई दिल्ली में ग्लोबल ट्रायम्फ फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्लोबल लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स-2026 में प्रदान किया गया।

लीडरशिप बियॉन्ड बाउंड्रीज' विषय पर आयोजित इस समिट में नेतृत्व, नवाचार, समावेशन एवं सतत विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में भविष्य के नेतृत्व, नवाचार एवं समावेशन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली जैसे विषयों पर परिचर्चाएं भी आयोजित की गईं। सुश्री मेहरा सेल में अधिकारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में योगदान देती रही हैं।



उन्हें सेल के निदेशक द्वारा एसएचआरएम बेस्ट लर्नर अवार्ड तथा महिला दिवस-2026 के अवसर पर बेस्ट लर्निंग एम्बेसडर के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, ई-3 एवं ई-5 स्तर के अधिकारियों की पदोन्नति परीक्षा की तैयारी के लिए व्यावसायिक संचार एवं परिवर्तन प्रबंधन विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने हेतु उन्हें कार्यपालक निदेशक द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। उन्होंने सेल के ई-1 से ई-6 स्तर के अधिकारियों के लिए इन विषयों पर प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए हैं।

वर्ष 2008 में सेल से जुड़ीं सुश्री मेहरा वर्तमान में परियोजना प्रबंधन, निविदा एवं अनुबंध प्रबंधन तथा क्रय संबंधी गतिविधियों से जुड़े दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। वे एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) के लिए इंटर्नल रिसोर्स पर्सन के रूप में भी कार्य कर रही हैं। ग्लोबल वुमेन एक्सीलेंस अवार्ड्स के माध्यम से नेतृत्व, शिक्षा, उद्यमिता, कॉर्पोरेट उत्कृष्टता, स्वास्थ्य, सामाजिक प्रभाव, मीडिया एवं प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

छठ पर्व की तैयारियां पूरी, निगम के प्रयासों से साफ सुथरे हुए तालाब, चलाया विशेष सफाई अभियान



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में छठ पर्व की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर निगम के सफाई अमले के प्रयासों से शहर के तमाम तालाब साफ सुथरे हो गए हैं। निगम प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न तालाबों एवं छठ पूजा स्थलों के घाटों की विशेष साफ-सफाई का कार्य किया गया। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु तालाबों के घाटों पर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं तथा अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसे देखते हुए निगम प्रशासन द्वारा घाटों की स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष तैयारी की जा रही है।

निगम के सफाई अमले द्वारा तालाबों के घाटों की नियमित साफ-सफाई के साथ ही पानी से घुलाई कराई जा रही है। इसके अलावा घाटों एवं आसपास के परिसर में रंगरोगन का कार्य भी किया जा रहा है, जिससे पूजा स्थल साफ-सुथरे एवं आकर्षक दिखाई दें। घाटों के आसपास जमा कचरे, गंदगी एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर पूरे परिसर को स्वच्छ बनाया जा रहा है। निगम द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। छठ पर्व आस्था एवं श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें परिवार एवं समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित होकर पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में तालाबों के घाटों पर स्वच्छता, साफ-सफाई एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से निगम का स्वास्थ्य विभाग एवं सफाई अमला लगातार सक्रिय रहकर कार्य कर रहा है।

छठ पर्व को लेकर दुर्ग के तालाबों में युद्धस्तर पर हो रही सफाई अभियान, महापौर ने दिए निर्देश



दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने खुद वार्ड क्रमांक 29 सिविल लाइन शीतला तालाब, वार्ड क्रमांक 50 बोरसी तालाब सहित अन्य तालाबों का निरीक्षण कर सफाई की मॉनिटरिंग कर करते हुए आगामी छठ पर्व को देखते हुए अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान शहर के तालाबों एवं छठ घाटों की साफ-सफाई तेज करने के निर्देश दिए इस दौरान स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, ज्ञानदास बंजारे, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, जितेंद्र राजपूत, मनोहर शिंदे, दुर्गेश कुमार सहित टीम मौजूद रहें।

निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा तालाबों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नियमित सफाई कर्मचारियों के साथ मशीनों को भी लगाया गया है। तालाबों में फैली जलकुंभी, तैरता कचरा, प्लास्टिक और अपशिष्ट निकाला जा रहा है। घाटों की सीढ़ियों और किनारों की गंदगी भी साफकी जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके। महापौर अलका बाघमार ने खुद विभिन्न तालाबों का निरीक्षण कर सफाई की मॉनिटरिंग कर रही हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि छठ से पहले सभी प्रमुख तालाब-घाटों की सफाई बेहतर तरीके से हो, लापरवाही न हो और जहां ज्यादा जलकुंभी-कचरा है वहां प्राथमिकता से सफाई कराई जाए ग़ौरतलब है कि छठ पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह-शाम तालाबों पर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। महापौर अलका बाघमार ने नागरिकों से भी अपील की है कि तालाबों-घाटों में कचरा, प्लास्टिक व पूजन सामग्री इधर-उधर न फेंकें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

निगम प्रशासन द्वारा पर्व के पूर्व सभी चिन्हित पूजा स्थलों की साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित वातावरण में छठ पूजा संपन्न कर सकें। नगर पालिक निगम भिलाई का प्रयास है कि छठ पर्व के दौरान शहर के सभी प्रमुख तालाबों के घाट स्वच्छ एवं व्यवस्थित रहें और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत 15 हितग्राहियों की अंतिम सूची प्रकाशित

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी आधारित निर्माण ;बीएलसीद्ध घटक के तहत आबादी भूमि पर काबिज हितग्राहियों को योजना में शामिल करने की प्रक्रिया नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा पूर्ण कर ली गई है। इस संबंध में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण करने तथा दावा-आपत्ति की कार्यवाही पूरी करने के पश्चात पात्र पाए गए 15 हितग्राहियों की अंतिम सूची तैयार कर प्रकाशित की गई है।

शासन के निर्देशानुसार आबादी भूमि पर निवासरत ऐसे हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 का लाभ दिलाने के लिए निगम द्वारा संबंधित क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों की जांच की गई। आवेदन में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं पात्रता संबंधी निर्धारित मापदंडों के आधार पर परीक्षण किया गया। इसके पश्चात दावा-आपत्ति आमंत्रित कर प्राप्त आपत्तियों का निराकरण किया गया। संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची जारी की गई है। जारी अंतिम सूची के अनुसार वार्ड क्रमांक 01 अंतर्गत जुनवानी खम्हरिया स्थित आबादी भूमि में निवासरत 8 हितग्राहियों को पात्र पाया गया है। इनमें प्रेम लाल महार, बुधु राम सोनवानी, नरेन्द्र कुमार देवांगन, शशि कुमार सेन, बल्लू बंजारे, ललिता साह, बुध राम सोनवानी एवं कन्हैया लाल निर्मलकर शामिल हैं। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 22 कुरूद स्थित आबादी भूमि में निवासरत 7 हितग्राहियों को पात्रता सूची में शामिल किया गया है। इनमें दुरपति साहू, कृष्णा देवांगन, रामकुंवर देवांगन, बालराम देवांगन, कांति बाई देवांगन, महेन्द्र कुमार साहू एवं कुंभकरण के नाम शामिल हैं। इस प्रकार दोनों वार्डों से कुल 15 हितग्राहियों का चयन किया गया है।

पौधों में जीवन की उम्मीद और यादों में हरियाली संजो रहे रोम शंकर यादव, मुख्यमंत्री ने विष्णु की पाती से की सराहना

■ हितवा संगवारी संस्था के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प जब जीवन का उद्देश्य बन जाए, तो छोटी-सी पहल भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। कुछ ऐसी ही प्रेरणादायी सोच के साथ ग्राम डूंडेरा निवासी श्री रोम शंकर यादव अपनी संस्था 'हितवा संगवारी' के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उनके लिए पौधारोपण केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि खुशियों को यादगार बनाने और अपनों की स्मृतियों को प्रकृति में जीवित रखने का एक भावनात्मक माध्यम है।

रोम शंकर यादव और उनकी पूरी टीम ने पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए एक अनूठी पहल की है। संस्था



द्वारा बच्चों के जन्मदिन, किसी प्रियजन के निधन, पुण्यतिथि तथा महापुरुषों की जयंती जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण कराया जाता है। इस पहल के माध्यम से वे लोगों को यह संदेश दे रहे हैं कि खुशियों के अवसर हों या अपनों की यादें, हर मौके को प्रकृति के नाम किया जा सकता है। किसी बच्चे के जन्मदिन पर लगाया गया पौधा उसके साथ बढ़ता है, तो किसी दिवंगत प्रियजन की स्मृति में रोपा गया वृक्ष उनकी यादों को हरियाली के रूप में हमेशा जीवित रखता है।

रोम शंकर यादव की यह पहल समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और भावनात्मक जुड़ाव विकसित करने का माध्यम बन रही है। उनका प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के किसी न किसी खास अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुंदर और हरित वातावरण मिल सके। उनके इसी निस्वार्थ सामाजिक योगदान और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 'विष्णु की पाती' के माध्यम से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्यमंत्री ने उनके कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहनीय बताया।

पीलिया की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। नगर निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 54 आबादी बस्ती पोटियाकला में संभावित पीलिया मरीज मिलने पर डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के निर्देश में डॉ सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में शहरी खण्ड चिकित्सा अधिकारी, दुर्ग व सीटी प्रोग्राम मैनेजर, दुर्ग, रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग एवं बीईटीओ स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 12 नवम्बर 2026 तक कुल 286 घरों का सर्वे किया गया है। जहां पीलिया के नये मरीज नहीं मिले है, 7 नवम्बर 2026 से आज दिनांक तक कुल 09 मरीज मिले, जिनमें से 01 मरीज का शासकीय अस्पताल में चिकित्सकीय उपचार चल रहा है। अन्य सभी मरीज घर पर चिकित्सकीय उपचार लें रहे है। संक्रमित क्षेत्र में पीलिया से किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है। वर्तमान में सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है। संक्रमित क्षेत्र का 04 जगहों से पानी सैम्पल का नमूना लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, दुर्ग द्वारा जांच के लिये भेजा गया है।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग, दुर्ग आम जनता से अपील की गई है कि उल्टी लगना, भूख न लगना, थकान महसूस होना, पेट में लगातार दर्द होना, बुखार आना जैसे पीलिया संबंधी लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें। साथ ही पीलिया का जाँच कराने और अपने व परिवार का ध्यान रखने की सलाह दी गयी है। पानी उबाल कर पिये, सड़े गले सब्जी न खाये।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रारंभ, 11 दिसम्बर तक कर सकेंगे दावा आपत्ति

4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। इस संबंध में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने राजनीतिक दलों की बैठक एवं प्रेस वार्ता आयोजित कर पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि जारी कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को कर दिया गया है। इसके साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक सभी मतदान केंद्रों में कार्यालयीन दिवसों



के दौरान मतदाता सूची से संबंधित दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके पश्चात 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन के लिए कर सकते हैं आवेदन

पुनरीक्षण अभियान के दौरान मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम विलोपित कराने तथा प्रविष्टियों में सुधार के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। इसके लिए प्रारूप-6 में नया नाम जोड़ने, प्रारूप-7 में नाम विलोपन तथा प्रारूप-8 में मतदाता सूची की प्रविष्टियों में संशोधन एवं एक ही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थानांतरण के लिए आवेदन किया जा सकता है। ऐसे युवा जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण हो जाएगी, वे प्रारूप-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर 2027 की अर्हता तिथियों के आधार पर भी पात्र नए मतदाताओं के नाम दर्ज किए जाएंगे।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

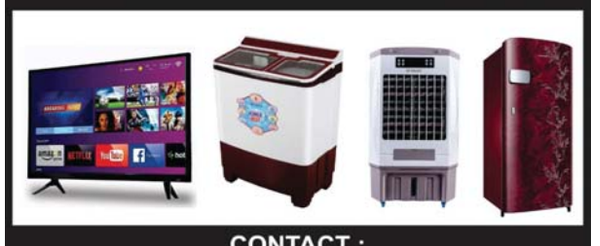
मतदाता सूची में नाम जोड़ने, काटने, संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए अवजमतेण्मबपण्हवअण्पद पोर्टल तथा अवजमत भ्मसचसपदम ।चच के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। इसी पोर्टल एवं ऐ पके माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम भी खोज सकते हैं।

विधानसभावार मतदाताओं की जानकारी

प्रारंभिक प्रकाशन के अनुसार 06 विधानसभा क्षेत्र एवं साजा (आंशिक) व बेमेतरा (आंशिक) में 12 लाख 63 हजार 157 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 6 लाख 28 हजार 280 पुरुष, 6 लाख 34 हजार 836 महिला तथा 41 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार प्रारंभिक मतदाता सूची में पुरुषों की तुलना में 6 हजार 556 महिला मतदाता अधिक हैं।

विधानसभा वार आंकड़े

विधानसभावार आंकड़ों के अनुसार पाटन विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 7 हजार 922 मतदाता दर्ज है, जिसमें एक लाख 33 हजार 50 पुरूष और एक लाख 45 हजार 71 महिला है। इसमें मतदान केन्द्र 278 है। इसी प्रकार दुर्ग ग्रामीण में 1 लाख 97 हजार 107 मतदाता दर्ज है, जिसमें 98 हजार 118 पुरूष, 98 हजार 983 महिला शामिल, मतदान केन्द्र 263 है। दुर्ग शहर में 1 लाख 94 हजार 844 मतदाता दर्ज है, जिसमें 95 हजार 21 पुरूष, 99 हजार 806 महिला शामिल, मतदान केन्द्र 275 है। भिलाई नगर में 1 लाख 28 हजार 42 मतदाता दर्ज है, जिसमें 63 हजार 968 पुरूष, 64 हजार 70 महिला शामिल, मतदान केन्द्र 192 है। वैशाली नगर में 2 लाख 11 हजार 96 मतदाता दर्ज है, जिसमें 10 लाख 55 हजार 14 पुरूष, 10 लाख 55 हजार 73 महिला शामिल हैं।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

सूरज की किरणों से रोशन हो रहे घर, बिजली बिल की चिंता से मिल रही मुक्ति



रायपुर। कभी घर की बिजली जरूरतों के लिए पूरी तरह पारंपरिक विद्युत आपूर्ति पर निर्भर रहने वाले परिवार अब सूरज की रोशनी से अपनी बिजली तैयार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों को बिजली खर्च में बचत के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में भी इस योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जिले के 327 से अधिक घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इन घरों में अब सूरज की किरणें केवल उजाला ही नहीं, बल्कि आर्थिक बचत और खुशहाली का माध्यम भी बन रही हैं। नारायणपुर शहर के निवासी श्री हरीश कुमार ठाकुर की कहानी इस बदलाव का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित कराया। इसके बाद उनके घरेलू बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। सबसे सुखद अनुभव तब हुआ, जब सितंबर माह में उनके घर का बिजली बिल शून्य आया। श्री ठाकुर बताते हैं कि सोलर संयंत्र लगवाने का निर्णय उनके परिवार के लिए लाभदायक साबित हुआ है। पहले बिजली की जरूरतों के लिए पूरी तरह विद्युत आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब घर की छत पर स्थापित सोलर संयंत्र से बिजली की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है।बिजली बिल में होने वाली बचत से परिवार को आर्थिक राहत मिली है।

पीएम किसान सम्मान निधि से बढ़ी खुशहाली

रायपुर। खेती के लिए समय पर खाद-बीज की व्यवस्था हो जाए और फसल अच्छी हो, यही हर किसान की सबसे बड़ी उम्मीद होती है। सीमित कृषि भूमि और आर्थिक संसाधनों के अभाव में कई बार किसानों को इन छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। नारायणपुर जिले के किसान श्री नरेन्द्र कुमार की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। कभी खेती के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में कठिनाइयों का सामना करने वाले नरेन्द्र कुमार के जीवन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना नई उम्मीद लेकर आई है। योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उनकी खेती को संबल देने के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नारायणपुर जिले के वार्ड क्रमांक 15 डुमरतराई निवासी नरेन्द्र कुमार, पिता रामचंद्रा, के पास मात्र 0.368 हेक्टेयर कृषि भूमि है। इसी छोटी सी जमीन पर खेती करके वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आमदनी के कारण पहले उन्हें खेती के लिए खाद, बीज, कृषि दवाइयों और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करने में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं होने से खेती की तैयारियां भी प्रभावित होती थीं। नरेन्द्र कुमार बताते हैं कि कृषि विभाग से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपना पंजीयन कराया। योजना का लाभ मिलने से उनकी खेती-किसानी में सकारात्मक बदलाव आने लगा। अब उन्हें प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता राशि तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खाते में प्राप्त होती है।

छत्तीसगढ़ में निर्यातकों को भारत के व्यापार समझौतों का लाभ दिलाने के लिए एफटीए एक्सेलरेटर

प्रदेश के सभी संभागों में आयोजित होंगी कार्यशालाएं, हेल्पडेस्क और द्विभाषी गाइडबुक की होगी स्थापना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार निर्यातकों को भारत के मुक्त व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए प्रदेश में एक समर्पित एफटीए एक्सेलरेटर, एफटीएहेल्पडेस्क और हिंदी-अंग्रेजी में द्विभाषी एफटीएगाइडबुक स्थापित करेगी। इसके साथ ही प्रदेश के प्रत्येक संभाग में एफटीएजागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज इसकी घोषणा की। वे रायपुर में विदेश व्यापार महानिदेशालय, भारत सरकार के वाणिज्य विभाग तथा छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।



कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 300 निर्यातकों के साथ भारत सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकारियों तथा निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य भारत द्वारा हाल ही में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों से खुलने वाले नए अवसरों के प्रति निर्यातकों को जागरूक करना तथा विभिन्न उत्पादों के लिए क्षेत्रवार रणनीति तैयार कर इन समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

प्रदेश के जमीनी स्तर तक इन समझौतों की जानकारी पहुंचाने के लिए सभी संभागों में एफटीए की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि प्रत्येक जिले के हितधारक एफटीएके लाभ, प्रावधानों और उपलब्ध अवसरों को समझ सकें। इसके अलावा उद्योग संचालनालय में एक एफटीएहेल्पडेस्क भी स्थापित किया जाएगा, जो निर्यातकों को एफटीए से संबंधित सभी मामलों में मार्गदर्शन, सुविधा और आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

कच्चे माल से तैयार उत्पादों तक मूल्य संवर्धन पर जोर: मंत्री लखन लाल देवांगन ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ लंबे समय से अपने इस्पात, चावल और वन संपदा के माध्यम से भारत की आर्थिक प्रगति में योगदान देता रहा है। अब राज्य का लक्ष्य मूल्य संवर्धन की प्रक्रिया में आगे बढ़ना है, ताकि कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता से आगे बढ़कर वैश्विक बाजारों के लिए तैयार उत्पादों का निर्माता और निर्यातक बना जा सके।उन्होंने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों ने दुनिया के कुछ सबसे बड़े बाजारों के द्वार खोल दिए हैं और छत्तीसगढ़ इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारा प्रयास है कि 'मेड इन छत्तीसगढ़' वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक बने। पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ का निर्यात लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इसमें प्रमुख रूप से चावल, इस्पात, फेरो-अलॉय और एल्युमीनियम प्रमुख उत्पाद रहे। इसके साथ ही शहद, लाख, महुआ और इमली जैसे वनोपज तथा ढोकरा और कोसा जैसे हस्तशिल्प उत्पादों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, ओमान, यूनाइटेड किंगडम और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इसके अलावा यूरोपीय संघ के साथ हुआ समझौता वर्ष 2027 में प्रभावी होने की उम्मीद है। वाणिज्य विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ के 95 निर्यात उत्पादों में से 93 उत्पादों को अब कम से कम एक साझेदार देश के बाजार में शुल्क रियायत का लाभ मिल रहा है। इन समझौतों के तहत खाड़ी देशों में छत्तीसगढ़ के इस्पात और एल्युमीनियम पर लगने वाला 5 प्रतिशत शुल्क घटाकर शून्य कर दिया गया है। वहीं यूनाइटेड किंगडम ने टूटे चावल पर 18 प्रतिशत और शहद पर 17 प्रतिशत आयात शुल्क समाप्त कर दिया है।

निर्यात संवर्धन नीति से दोगुना निर्यात करने का लक्ष्य: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ निर्यात संवर्धन नीति 2026-30 अधिसूचित की है। इस नीति का उद्देश्य वर्ष 2030 तक राज्य के निर्यात को दोगुना करना तथा भारत के कुल निर्यात में छत्तीसगढ़ की हिस्सेदारी को 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 1 प्रतिशत करना है।

आज घोषित चार सूत्रीय कार्ययोजना का उद्देश्य प्रदेश के बड़े औद्योगिक निर्माताओं से लेकर वन उपज आधारित उद्यमों और हस्तशिल्प से जुड़े छोटे उद्यमियों तक सभी निर्यातकों को मुक्त व्यापार समझौतों के तहत मिलने वाली शुल्क रियायतों एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अवसरों का लाभ दिलाना है, ताकि राज्य निर्धारित निर्यात लक्ष्य को हासिल कर सके।

निर्यातकों को मिलेगा व्यापक मार्गदर्शन और सहयोग

सचिव वाणिज्य एवं उद्योग रजत कुमार ने बताया कि घोषित कार्ययोजना के तहत छत्तीसगढ़ में एक एफटीए एक्सेलरेटर स्थापित किया जाएगा। इसे एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के सहयोग से संचालित किया जाएगा, जो निर्यातकों को निर्यात की तैयारी के शुरुआती चरण से लेकर एफटीएके अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने तक संपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा राज्य सरकार हिंदी और अंग्रेजी में एफटीएगाइडबुक तैयार करेगी। इसमें मुक्त व्यापार समझौतों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी। साथ ही विभिन्न देशों में अलग-अलग उत्पादों पर लागू आयात शुल्क तथा प्रत्येक व्यापार समझौते के अंतर्गत मिलने वाली शुल्क रियायतों का देशवार विवरण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वच्छता पुरस्कार लेकर लौटे उप मुख्यमंत्री साव और निकायों के प्रमुखों का जोरदार स्वागत

राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सम्मान स्वच्छता के क्षेत्र में हो रहे निरंतर सुधार, प्रतिबद्धता और प्रभावी प्रयासों का प्रमाण - अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर रायपुर लौटे उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव और रायपुर, बिलासपुर एवं बिल्हा के निर्वाचित प्रमुखों का विमानतल पर जोरदार स्वागत किया गया। तीनों निकायों से सैकड़ों की संख्या में स्वच्छता दीदियां एवं अधिकारी-कर्मचारी उप मुख्यमंत्री श्री साव और अपने निकाय प्रमुखों रायपुर की महापौर मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा बिल्हा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वन्दना जेंड्रे के स्वागत व अभिनन्दन के लिए विमानतल पहुंचे थे। पारंपरिक लोक नृत्यों और गाजे-बाजे के साथ पुरस्कार ग्रहण करने नई दिल्ली गए प्रतिनिधि मंडल का रायपुर लौटने पर शानदार अभिनन्दन किया गया।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर लौटने पर लगातार दूसरे वर्ष इन तीनों शहरों की उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने लगातार दूसरे वर्ष अपनी राष्ट्रीय पहचान कायम रखी है। लगातार दो वर्षों तक तीन-तीन नगरीय निकायों का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना प्रदेश में स्वच्छता के क्षेत्र में हो रहे निरंतर सुधार, प्रतिबद्धता और प्रभावी प्रयासों का प्रमाण है। इस उपलब्धि के पीछे सफाई मित्रों का अथक परिश्रम, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी है। उन्होंने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रतिदिन शहरों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि शहरी स्वच्छता को मजबूत बनाने में हमारी 9 हजार से अधिक स्वच्छता दीदियों का योगदान अहम है। घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में उनकी सक्रिय भूमिका है। राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान स्वच्छता दीदियों के योगदान का भी सम्मान है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कुछ शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ एवं सुविधापूर्ण बनाना है। बिलासपुर, रायपुर और बिल्हा की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी प्रेरित करेगी।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार में बिल्हा, बिलासपुर और रायपुर ने इस वर्ष भी स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बरकरार रखी है। पिछली बार के स्वच्छ सर्वेक्षण में भी बिल्हा अपनी श्रेणी में देश में प्रथम स्थान पर था। वहीं बिलासपुर ने तीन लाख से दस लाख की आबादी वाले शहरों में द्वितीय स्थान हासिल किया था। बिलासपुर ने इसे बरकरार रखते हुए इस बार देश के सबसे स्वच्छ रीवर फ्रंट वाले शहरों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में राजधानी रायपुर को छत्तीसगढ़ का 'प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर' का पुरस्कार मिला था। इस बार रायपुर को राज्य के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है।

छत्तीसगढ़ में निर्वाचन संबंधी विभिन्न अधिनियमों में संशोधन के प्रस्ताव पर बैठक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन (अपराध), अधिनियम के प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में निर्वाचन अपराधों से संबंधित विभिन्न कानूनों और उनके प्रावधानों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान निम्नलिखित प्रमुख अधिनियमों और उनके अंतर्गत आने वाले प्रावधानों की समीक्षा की गई, जिनमें छत्तीसगढ़ स्थानीय प्राधिकारी (अपराध) अधिनियम, छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता, छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम शामिल हैं।

कर्मचारियों की सुविधा और प्रशासनिक संरचना पर निर्देश

बैठक के अंत में मुख्य सचिव विकासशील ने प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुचारू बनाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 10 वर्षों में विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पदों के सृजन, प्रशासनिक संरचना और पुनर्गठन की रूपरेखा तैयार की जाए। इसके साथ ही, मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारियों की सुविधा को देखते हुए उन्हें बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मनीष कुमार ठाकुर, लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, वित्त विभाग एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव सहित आदि लोग थे।

युवा रत्न सम्मान के लिए अब 15 नवंबर तक करें आवेदन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा रत्न सम्मान के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 नवंबर 2026 कर दी गई है। इच्छुक युवाओं को सम्मान के लिए आवेदन करने का अतिरिक्त अवसर मिला है। युवा रत्न सम्मान के अंतर्गत सामाजिक कार्य, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा कला, संगीत एवं लोक कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवाओं का चयन किया जाएगा। चयनित प्रत्येक युवा को एक लाख रुपये की नगद सम्मान राशि के साथ पदक, प्रशस्ति पत्र एवं शाल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के क्षेत्र में चयनित युवा को व्यक्तिगत श्रेणी में 2.50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। पांच लाख रुपये की सम्मान राशि से सम्मानित किया जाएगा।

सीनियर छत्तीसगढ़ राज्य अंतर जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। रायगढ़ जिले के लारा में छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 21वीं सीनियर छत्तीसगढ़ राज्य अंतर जिला महिला एवं पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2026 का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री चौधरी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करें और अपने प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और अपनी खेल प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेंगी।

महलोई में 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनेगा आधुनिक मॉडल स्कूल

आधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लासरूम और कंप्यूटर कक्ष सहित बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं से होगा सुसज्जित

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महलोई को आधुनिक मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। सीएसआर मद से 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन विद्यालय भवन का आज वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने भूमिपूजन किया। इस पहल से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा समाज और क्षेत्र के विकास की मजबूत नींव है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। महलोई विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी शहरों के विद्यार्थियों की तरह आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि सफलता के लिए सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। हर विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और प्रतिभा को पहचानकर भविष्य की दिशा तय करे। शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यावहारिक कौशल विकसित करना भी है।

वित्त मंत्री ने कहा कि आज विद्यार्थियों के सामने करियर के अनेक विकल्प हैं। वे अपनी रुचि के अनुसार शिक्षा, तकनीक, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए समय का सदुपयोग, नियमित अध्ययन और निरंतर मेहनत जरूरी है। असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी लगन से प्रयास करें। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभवों और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में भी जाना। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के जिम्मेदार नागरिक और देश के भविष्य के निर्माता हैं।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा विद्यालय भवन: सीएसआर मद से बनने वाले नए विद्यालय भवन में विभिन्न विषयों की आधुनिक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर कक्ष और स्मार्ट क्लासरूम सहित विद्यार्थियों की जरूरतों के अनुरूप सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ तकनीक आधारित अध्ययन का अवसर मिलेगा। विज्ञान, तकनीक और व्यावहारिक शिक्षा के क्षेत्र में उनकी समझ विकसित करने के लिए बेहतर वातावरण तैयार होगा।

विद्यालय के उन्नयन से महलोई सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। आधुनिक भवन और बेहतर शैक्षणिक संसाधनों से पढ़ाई का वातावरण मजबूत होगा। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नए कौशल सीखने और प्रतियोगिताओं की तैयारी करने के अधिक अवसर मिलेंगे। मॉडल स्कूल ग्रामीण अंचल में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष हेमलता चौहान, जिला पंचायत सदस्य ब्रजेश गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, एनटीपीसी के कार्यकारी निदेशक सुभाष सिंह ठाकुर एवं जाकिर हुसैन, सहित जनप्रतिनिधि विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।





दिवाली की रोशनी के बाद जहरीली हवा का साया!

दिल्ली से मुंबई तक प्रदूषण का कहर भूमि पेडनेकर ने जताई चिंता

दिवाली पर आसमान रोशनी से जगमगाया, लेकिन त्योहार के बाद कई शहरों की हवा में धुएं और प्रदूषण का जहर घुल गया। पटाखों की गूंज थमने के बाद अब लोगों को जहरीली हवा का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया है। वहीं, मुंबई और लखनऊ में भी हवा की बिगड़ती स्थिति ने चिंता बढ़ा दी है। इस बीच बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी प्रदूषण के बढ़ते खतरे पर अपनी आवाज उठाई है।

भूमि ने लगाई पटाखे फोड़ने वालों को फटकार

भूमि पेडनेकर ने सोमवार सुबह इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर लोगों से जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने लिखा कि दिवाली रोशनी, प्यार, परिवार और नई शुरुआत का त्योहार है, लेकिन हर साल इसके बाद प्रदूषित हवा, पटाखों का कचरा, शोर और डरे हुए जानवरों की परेशानी देखने को मिलती है। अभिनेत्री ने खास तौर पर बच्चों, बुजुर्गों, सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों और जानवरों की सेहत को लेकर चिंता जताई।

इससे पहले रात करीब 3 बजे उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में भी नाराजगी जाहिर की। भूमि ने लिखा कि कई जगह आग लगने की घटनाएं हुई हैं,एक्यूआई खतरनाक स्तर पर है और सड़कों पर कचरा फैला हुआ है। इसके बावजूद लोग देर रात तक पटाखे फोड़ रहे हैं। उन्होंने मुंबई पुलिस और BMC को भी टैग किया।

मुंबई से लखनऊ तक धुंध की चादर

दिवाली के बाद मुंबई की हवा भी खराब हो गई। खेरवाड़ी-बांद्रा ईस्ट में AQI 264 दर्ज किया गया, जबकि सेवरी में 226, घाटकोपर में 221 और चेंबूर में 216 रहा। वहीं, लखनऊ के कई इलाकों में सुबह धुंध की मोटी परत देखने को मिली। CPCB के मुताबिक, 201 से 300 के बीच कुछ खराब, 301 से 400 बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी में आता है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 के प्रतिबंध लागू

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रैप-3 के तहत प्रतिबंध जारी हैं। इसके अंतर्गत प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को सख्ती से लागू करने और संबंधित एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

यह आपातकालीन योजना दिल्ली के साथ हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के आसपास के जिलों में भी लागू होती है।





सूर्या से सनी देओल का पहला गाना जारी

उदित नारायण और कुमार सानू ने दी आवाज

अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूर्या अंत से आरंभ तक' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म का टीजर जारी होने के बाद अब निर्माताओं ने इसका पहला गीत 'सुनियो जरा' रिलीज कर दिया है। इस गीत की खास बात यह है कि मशहूर गायक उदित नारायण और कुमार सानू 21 साल बाद एक बार फिर साथ आए हैं।

गीत का फिल्मांकन सनी देओल और रवि किशन पर किया गया है। 'सुनियो जरा' को उदित नारायण और कुमार सानू ने अपनी आवाज दी है। गायन में अनुपम अमोद ने भी उनका साथ दिया है। गीत का संगीत राही ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल प्रिया सरैया ने लिखे हैं। जी म्यूजिक कंपनी ने इसे जारी किया है। 'सुनियो जरा' दोस्ती, पुरानी यादों और दो लोगों के बीच वर्षों से कायम रिश्ते की भावनाओं को सामने लाता है। गीत में सनी देओल और रवि किशन की मौजूदगी कहानी के दोस्ती वाले पहलू को उभारती है। उदित नारायण और कुमार सानू की आवाजों का साथ आना भी इस गीत को खास बनाता है।

फिल्म 'सूर्या अंत से आरंभ तक' एक्शन और रोमांच से भरपूर कहानी पर आधारित है। इसमें सनी देओल एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का टीजर पहले ही जारी किया जा चुका है और अब पहला गीत सामने आने के बाद इसके प्रचार को आगे बढ़ाया जा रहा है।

'सूर्या अंत से आरंभ तक' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी और कलाकारों के अभिनय को लेकर दर्शकों की निगाहें अब इसके प्रदर्शन पर टिकी हैं।

छठ से पहले रिलीज हुआ हिमेश का गाना 'बुलाए छठी मां' में चला श्रेया की आवाज का जादू



आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ की अदाकारी से सजी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का पांचवां गाना 'बुलाए छठी मां' रिलीज हो गया है। यह गाना छठ पर आधारित है। दिलचस्प बात यह है कि कल यानी 13 नवंबर से छठ का पर्व शुरू हो रहा है। इससे एक दिन पहले मेकर्स ने गाना रिलीज किया है।

किसने गाया गाना?

गाने में छठ पर्व के शानदार विजुअल दिखाए गए हैं। इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। गाने को श्रेया घोषाल और केशव आनंद ने अपनी बेहतरीन आवाज दी है। इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है

गाने में क्या है खास?

लगभग तीन मिनट के गाने में शरवरी वाघ और आयुष्मान खुराना छठ पूजा करते हुए नजर आते हैं। गाने के विजुअल काफी रियल और शानदार लग रहे हैं। गाने में त्योहार के पलों की झलक दिखाई गई है। शरवरी और आयुष्मान खुराना को छठ पर्व मनाते दिखाया गया है।

कब रिलीज होगी 'ये प्रेम मोल लिया'?

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' सूरज बड़जात्या की अगली डायरेक्टोरियल फिल्म है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। फिल्म की कास्ट में अनुपम खेर और अन्य कलाकार भी शामिल हैं। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है।

सात जन्मों का साथ नहीं मिला, लेकिन एक ही कब्रिस्तान में दफन हैं मधुबाला और दिलीप कुमार

हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित प्रेम कहानियों में शामिल मधुबाला और दिलीप कुमार का रिश्ता भले ही शादी तक नहीं पहुंच सका, लेकिन उनकी जिंदगी से जुड़ा एक संयोग आज भी लोगों को भावुक कर देता है। दोनों एक ही कब्रिस्तान में दफन हैं और उनकी कब्रों के बीच महज पांच से दस मीटर की दूरी है।



मधुबाला की बहन मधुर भूषण ने हाल ही में बातचीत के दौरान इस बात का खुलासा किया। इसके साथ ही उन्होंने दोनों की जिंदगी से जुड़ी कुछ ऐसी यादें भी साझा कीं, जो उनकी अधूरी मोहब्बत की कहानी को फिर चर्चा में ले आई हैं।

मधुबाला ने भेजा था दिलीप कुमार को खत

दिलीप कुमार ने 1966 में अभिनेत्री सायरा बानू से शादी की थी। अपनी बायोग्राफी में उन्होंने बताया था कि शादी के बाद मधुबाला ने उनसे मिलने की इच्छा जताते हुए एक पत्र भेजा था। बॉम्बे लौटने पर उन्होंने यह बात सायरा बानू को बताई। सायरा ने उन्हें मधुबाला से मिलने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि उन्हें लगा कि वह शायद मुश्किल दौर से गुजर रही होंगी।

मधुबाला ने सायरा-दिलीप की शादी पर जताई थी खुशी

दिलीप कुमार ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए लिखा था कि मधुबाला को कमजोर और बीमार हालत में देखकर उन्हें काफी दुख हुआ। हालांकि, अपनी खराब सेहत के बावजूद मधुबाला उनसे मिलकर बेहद खुश थीं। उन्होंने दिलीप कुमार की शादी पर खुशी जताते हुए कहा था, 'हमारे शहजादे को उनकी शहजादी मिल गई है, मैं बहुत खुश हूं।'

एक ही कब्रिस्तान में हैं दोनों की कब्रें

मधुर भूषण के मुताबिक, मधुबाला और दिलीप कुमार मुंबई के जुहू मुस्लिम कब्रिस्तान में एक-दूसरे के बेहद करीब दफन हैं। दोनों की कब्रों के बीच केवल पांच से दस मीटर का फासला है। इसी कब्रिस्तान में परवीन बाबी, मोहम्मद रफी और नौशाद जैसी फिल्मी हस्तियों की कब्रें भी मौजूद हैं।

साल 2010 में जुहू मुस्लिम कब्रिस्तान में जगह की कमी के चलते कई मशहूर हस्तियों की कब्रों पर बने स्थायी ढांचे हटाए गए थे। इनमें मधुबाला की कब्र पर बना संगमरमर का ढांचा भी शामिल था। उनके पिता अताउल्लाह खान ने इसे खास तरीके से बनवाया था। परिवार ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई थी। कब्रिस्तान प्रबंधन ने जगह की कमी और इस्लामी परंपराओं का हवाला दिया था।

36 साल की उम्र में हुआ था मधुबाला का निधन

मधुबाला का निधन 23 फरवरी 1969 को महज 36 साल की उम्र में हुआ था। वह दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। बेटी की मौत का सदमा उनके पिता अताउल्लाह खान भी सह नहीं पाए और 1975 में उनका निधन हो गया। पर्दे पर अधूरी रह गई मधुबाला और दिलीप कुमार की प्रेम कहानी का यह संयोग आज भी लोगों के दिलों को छू जाता है।

लगातार तनाव से सेहत पर पड़ता है असर, दिमाग से लेकर दिल और पेट तक हो सकते हैं प्रभावित



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव यानी स्ट्रेस एक आम समस्या बन गया है। इस लेख में जानें तनाव का दिमाग, दिल और पेट पर क्या असर पड़ता है और इससे बचने के लिए कौन-सी आदतें अपनानी चाहिए।

ऑफिस का काम, पारिवारिक जिम्मेदारियां, आर्थिक परेशानियां और भविष्य की चिंता कई बार लोगों को लगातार तनाव में रखती हैं। आमतौर पर लोग तनाव को सिर्फ मानसिक परेशानी समझते हैं, लेकिन इसका असर शरीर के कई अंगों पर भी पड़ सकता है। लंबे समय तक तनाव रहने से दिमाग की कार्यक्षमता, दिल की सेहत और पाचन तंत्र प्रभावित हो सकते हैं। इसकी वजह से सिरदर्द, नींद न आना, हाई ब्लड प्रेशर, पेट में दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तनाव शरीर के अंदर किस तरह बदलाव करता है और इसका असर दिल से लेकर पेट तक कैसे पहुंचता है? इस लेख में जानें लगातार तनाव लेने से दिमाग, दिल और पेट पर क्या असर पड़ता है, इसके लक्षण और बचाव के तरीके। तनाव के दौरान शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं। ये हार्मोन शरीर को मुश्किल परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार करते हैं। लेकिन जब तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो इसका असर दिमाग और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

याददाश्त प्रभावित होना: लंबे समय तक तनाव रहने से याद रखने और नई चीजें सीखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

एकाग्रता में कमी: तनाव के कारण किसी काम पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो सकता है।

नींद की समस्या: लगातार चिंता और बेचैनी के कारण नींद आने में परेशानी हो सकती है।

चिड़चिड़ापन: छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना और मूड में बदलाव होना तनाव के संकेत हो सकते हैं।

एंग्जायटी का खतरा: लंबे समय तक तनाव रहने से कुछ लोगों में चिंता और मानसिक परेशानी बढ़ सकती है।

तनाव का दिल पर क्या असर पड़ता है?

लगातार तनाव में रहने पर शरीर में स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है। इससे हृदय गति और ब्लड प्रेशर अस्थायी रूप से बढ़ सकते हैं। अगर तनाव लंबे समय तक बना रहे, तो यह दिल की सेहत को प्रभावित करने वाले अन्य जोखिमों से भी जुड़ सकता है।

ब्लड प्रेशर बढ़ना: तनाव के दौरान रक्तचाप बढ़ सकता है।

दिल की धड़कन तेज होना: घबराहट या चिंता के समय दिल तेजी से धड़क सकता है।

अनहेल्दी आदतें: तनाव में कुछ लोग ज्यादा खाना, धूम्रपान या शारीरिक गतिविधि कम करना शुरू कर देते हैं।

हार्ट डिजीज का जोखिम: लंबे समय तक तनाव हृदय रोगों के जोखिम से जुड़ा हो सकता है।

लगातार तनाव लेने से पेट पर क्या असर पड़ता है?

क्या आपने कभी गौर किया है कि तनाव में रहने पर पेट में दर्द, गैस या एसिडिटी की समस्या बढ़ जाती है? दरअसल, दिमाग और पेट के बीच गहरा संबंध होता है, जिसे Gut-Brain Connection कहा जाता है। तनाव इस संबंध को प्रभावित कर सकता है और पाचन संबंधी परेशानियां बढ़ा सकता है।

एसिडिटी और सीने में जलन: तनाव कुछ लोगों में एसिड रिफ्लक्स के लक्षण बढ़ा सकता है।

पेट दर्द और ऐंठन: तनाव के कारण आंतों की संवेदनशीलता बढ़ सकती है।

कब्ज या दस्त: तनाव पाचन तंत्र की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

भूख में बदलाव: कुछ लोगों को तनाव में ज्यादा भूख लगती है, जबकि कुछ की भूख कम हो जाती है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम: तनाव IBS को बढ़ा सकता है, जिससे पेट दर्द, गैस और मल त्याग में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

तनाव कम करने के लिए क्या करें?

रोजाना एक्सरसाइज करें: 30 मिनट पैदल चलना, योग या हल्की एक्सरसाइज तनाव कम करने में मदद कर सकती है।

पर्याप्त नींद लें: रोजाना 7-9 घंटे सोने की कोशिश करें।

मेडिटेशन करें: ध्यान और गहरी सांस लेने का अभ्यास मन को शांत करने में मदद कर सकता है।

हेल्दी डाइट लें: फल, सब्जियां, साबुत अनाज और पौष्टिक भोजन को डाइट में शामिल करें।

स्क्रीन टाइम कम करें: सोने से पहले मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल कम करें।

खास-खबर

बाल विवाह मुक्त गरियाबंद को लेकर प्रशासन सक्रिय

गरियाबंद। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की रोकथाम और बच्चों के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में 21 अक्टूबर से 21 दिसंबर 2026 तक 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 27 नवंबर को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और नगरीय क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, सामूहिक शपथ तथा अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गरियाबंद द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से गतिविधियां संचालित करने तथा प्रत्येक कार्यक्रम की जानकारी और फोटोग्राफ निर्धारित गूगल फॉर्म में दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 27 नवंबर को विशेष ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सेवा सेतु पोर्टल से आसान हुई शासकीय सेवाओं तक पहुंच

बिलासपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं का लाभ अब आम नागरिकों तक तेजी से पहुंच रहा है। शासकीय सेवाओं को सरल, सहज और सुलभ बनाने की दिशा में शुरू की गई सेवा सेतु सुविधा लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न आवश्यक प्रमाण पत्रों के लिए अनावश्यक भागदौड़ और लंबी प्रतीक्षा से राहत मिल रही है। सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाते हुए आम लोगों का काम आसान किया है। इसी कड़ी में तखतपुर विकासखंड के ग्राम बीजा निवासी रामभाऊ कौशिक को भी सेवा सेतु सुविधा का लाभ मिला। आवेदन की प्रक्रिया सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आगे बढ़ाई गई और महज चंद दिनों में ही उनके बच्चों के आवश्यक प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गए।

धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त रखने कलेक्टर ने दिए निर्देश

जिले के सभी 145 उपार्जन केंद्रों के भौतिक सत्यापन के निर्देश, संवेदनशील केंद्रों पर रहेगी निगाह

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां तेज हो गई हैं। कबीरधाम जिले के सभी 145 धान उपार्जन केंद्रों में आगामी 15 नवंबर से धान खरीदी की जाएगी। खरीदी प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने जिला पंचायत सभाकक्ष में नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को धान खरीदी शुरू होने से पहले अपने-अपने केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर व्यवस्थाएं अनिवार्यत: दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है और इसमें किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी नोडल अधिकारी 15 नवंबर से पहले आवंटित धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों और अन्य व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन करें। सत्यापन के दौरान केंद्रों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर कमियों को तत्काल दूर कराया जाए। उन्होंने जिले के संवेदनशील धान खरीदी केंद्रों में विशेष निगरानी रखने और नियमित रूप से व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

बैठक में किसानों की सुविधा के लिए निर्धारित टोकन व्यवस्था, ऑनलाइन पंजीयन और डिजिटल सत्यापन की जानकारी देते हुए अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। टोकन व्यवस्था के तहत 2 एकड़ तक के किसानों को एक, 2 से 10 एकड़ तक के किसानों को दो तथा 10 एकड़ से अधिक रकबे वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन दिए जाएंगे। कुल टोकन का 70 प्रतिशत ऑनलाइन माध्यम से तथा 30 प्रतिशत समिति मॉड्यूल के माध्यम से जारी किया जाएगा। उपार्जन केंद्रों में बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही धान खरीदी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

उन्होंने सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे विद्युत एवं इंटरनेट कनेक्शन, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापक यंत्र सहित धान खरीदी से संबंधित सभी उपकरणों की उपलब्धता और कार्यशीलता की जांच करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही किसानों के बैठने के लिए कुर्सियां, स्वच्छ पेयजल, छायादार स्थान, शौचालय और मेडिकल किट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने कहा कि पंजीयन, रकबा सत्यापन, टोकन अथवा धान खरीदी से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या आने पर किसानों को अनावश्यक परेशान न होना पड़े। संबंधित अधिकारी शिकायतों और समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। इसके लिए आवश्यकतानुसार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर समस्या समाधान की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा मैदानी स्तर पर संवाद बनाए रखने को कहा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। जिले में धान की अवैध खरीदी-बिक्री और परिवहन पर प्रभावी रोकथाम के लिए सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में कोचियों, बिचौलियों एवं व्यापारियों से धान की खरीदी नहीं होनी चाहिए।

खरीदी कार्य में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों में नए एवं पुराने बारदानों के निर्धारित अनुपात में उपयोग, धान की गुणवत्ता और निर्धारित वजन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। प्रत्येक कट्टे में निर्धारित मात्रा में धान भरने तथा तौल में पारदर्शिता बनाए रखने को कहा। नोडल अधिकारियों को नियमित रूप से केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी गई धान की मात्रा का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर रामप्रसाद आंचला, नोडल अधिकारीगण सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बिहान की सोलर दीदियां गांव-गांव पहुंचा रहीं सौर ऊर्जा का उजियारा

'दीदी के गोठ' के 16वें एपिसोड में तीन जिलों की महिलाओं ने साझा किया सोलर उद्यम का अनुभव



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के रेडियो कार्यक्रम 'दीदी के गोठ' के 16वें एपिसोड में सोलर दीदियों ने प्रशिक्षण और समूह के सहयोग से सौर ऊर्जा के तकनीकी कार्यों से जुड़कर आजीविका के नए अवसर के बारे में बताया। दीपावली पर सोलर पैनल लगवाने को लेकर चंदा और सूरज की हल्की-फुल्की बातचीत से शुरू हुआ कार्यक्रम आगे चलकर दीदियों के कार्य, प्रशिक्षण और अनुभवों की प्रेरक चर्चा बना। कार्यक्रम में सीएसपीडीसीएल के अधीक्षण अभियंता बिंबिसार नागार्जुन ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और बिहान के संकुल स्तरीय संगठनों (सीएलएफ) की भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोलर दीदियां परिवारों की जरूरत समझने, दस्तावेज और आवेदन तैयार कराने, सोलर प्रणाली की स्थापना तथा स्थापना के बाद सहयोग देने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि 16 सीएलएफ विक्रेता के रूप में पंजीकृत हो गए हैं और 801 महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में चिन्हित कर प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि 500 से अधिक स्थापना के आवेदन प्राप्त होने के साथ अब तक 76 कनेक्शन स्थापित भी किए जा चुके हैं। उन्होंने सोलर दीदी के रूप में होने वाली आय के संबंध में भी जानकारी दी और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

कबीरधाम जिले के ग्राम समनापुर की श्रीमती अंजनी पटेल ने बताया कि बिहान से जुड़ने के बाद उन्होंने प्रशिक्षण लिया और सोलर वेंडर के रूप में कार्य शुरू किया। बलौदाबाजार जिले के ग्राम चक्रवाय की श्रीमती संगीता धृतलहरे ने पैनल की फिटिंग, दिशा और रखरखाव से जुड़े प्रशिक्षण का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि पैनल फिट करने के काम में उनके साथ पूरा परिवार भी हाथ बंटा रहा हैं। महासमुंद जिले के ग्राम कुरुभाठा की अग्नि दीवान ने घर-घर सर्वे, योजना की जानकारी देने और आवेदन प्रक्रिया में सहायता करने के अपने अनुभव बताए। सोलर पैनल स्थापना के काम से उन्हें कमीशन भी मिलता है।

सोलर पैनल लगवाने सोलर दीदीयां करेंगी समन्वय

कार्यक्रम में श्रोताओं की जिज्ञासाओं के जवाब देते हुए योजना की जानकारी दी गई और आवेदन तथा पैनल स्थापना की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए सोलर दीदियों ने लोगों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापना के लिए अपने स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन, सीएलएफ या बिहान ब्लॉक कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर सोलर दीदियां संबंधित बिजली विभाग से समन्वय भी करेंगी।

विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आयुक्त वीबीजीरामजी एवं संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रक्रियाओं की बेहतर समझ एवं मैदानी स्तर पर कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कार्यपालन अभियंता (आरईएस), सहायक परियोजना अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारियों सहित योजना के अन्य अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ 12 नवंबर को ठाकुर प्यारेलाल सिंह राज्य ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा में किया गया। कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर आयुक्त वीबी - जीरामजी तारन प्रकाश सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत ञ्ज2047 के विजन को साकार करने के लिए योजनांतर्गत गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। चयन में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जलवायु अनुकूल कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'

छत्तीसगढ़ राज्य के 32 जिलों के 6,691 गाँवों का हो रहा है कायाकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश के जनजातीय (आदिवासी) बहुल गाँवों में बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू की गई केंद्र सरकार की अति-महत्वाकांक्षी पहल धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में भी विकास कार्यों को तेजी से गति मिल रही है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 2 अक्टूबर 2024 को झारखंड के हजारीबाग से इस राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया था। इस व्यापक योजना का मुख्य लक्ष्य देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों के 63 हजार से अधिक जनजातीय बहुल गाँवों का आगामी 5 वर्षों में सर्वांगीण विकास करना है।

छत्तीसगढ़ के लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस महत्वाकांक्षी अभियान में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशों के तहत राज्य के सभी 32 जिलों के 6,691 गाँवों को शामिल किया गया है। इस अभियान के माध्यम से व्यक्तिगत और सामुदायिक अधिकारों का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत 17 केंद्रीय मंत्रालयों की 25 से अधिक योजनाएं और गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसके अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख लाभ और सेवाएँ सुलभ कराई जा रही हैं।आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन धन खाता, और किसान क्रेडिट कार्ड महत्वपूर्ण दस्तावेज व कार्ड बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और रायपुर स्थित प्प्ज् में सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम और उपचार के लिए सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस की स्थापना (01 स्वीकृत) की गई है। पेंशन व सामाजिक कल्याण के तहत वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन के साथ-साथ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और समेकित बाल विकास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बुनियादी ढांचा व आजीविका के रूप में सभी पात्रों को पक्के आवास, स्वच्छ जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ, आंगनबाड़ी केंद्र, हॉस्टल, पोषण वाटिका, एलपीजी कनेक्शन, भारत नेट, स्किल इंडिया मिशन, सतत कृषि, मछली पालन सहायता और वन अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वय किया जा रहा है।

धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य में आगामी 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत होने जा रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत शुरू होने वाली धान खरीदी को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अपनी मेहनत से उपजाई गई फसल को उपार्जन केंद्रों में बेचने के लिए किसान उत्सुक हैं।

धान खरीदी को लेकर बालोद जिले के किसान ओंकार साहू ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कई महीने की मेहनत के बाद धान की फसल तैयार होती है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान बेचने से किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने के साथ आर्थिक मजबूती भी मिलती है। खरीदी शुरू होने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने बताया कि धान विक्रय हेतु उन्होंने 'तुंहर टोकन ऐप' के माध्यम से ऑनलाइन टोकन भी कटा लिया है। उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्र मेड़की में किसानों के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है। यहां बैठक, पेयजल, शौचालय सहित धान विक्रय की सभी व्यवस्था बहुत अच्छी होती है। किसान ओंकार साहू ने किसान हितैषी योजनाओं के संचालन के लिए शासन-प्रशासन सहित मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बालोद जिले के सभी 161 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इस वर्ष टोकन वितरण की व्यवस्था को भी सुविधाजनक बनाया गया है। 70 प्रतिशत टोकन ऑनलाइन माध्यम से जारी किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ के उत्पादों को वैश्विक बाजारों में मिलेगी नई पहचान

निर्यात की संभावनाओं को विस्तार देने राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, विदेश व्यापार महानिदेशालय तथा आई.टी.पी.ओ के संयुक्त तत्वावधान में आज राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रायपुर के एक निजी होटल में किया गया जिसमें ''मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभावी उपयोग'' विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम तथा वाणिज्यिक कर मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के वर्तमान एवं संभावित निर्यातकों को भारत के विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के तहत् उपलब्ध व्यापारिक अवसरों से अवगत कराना एवं उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बजारों में अपनी निर्यात संभावनाओं पर विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रायपुर के वीआईपी रोड पर स्थित होटल में आयोजित कार्यशाला में एफ्टीए (मुक्त व्यापार समझौता) आउटरीच कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाओं, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच, मुक्त व्यापार समझौतों के लाभ तथा निर्यात संवर्धन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री देवांगन ने प्रदेश भर से पहुंचे उद्योग संचालकों तथा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास की असीम संभावनाएं हैं तथा यहां के वनोपजों से निर्मित उत्पाद देश ही नहीं, दुनिया की पहली पसंद है। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष छत्तीसगढ़ का निर्यात लगभग 18 हजार करोड़ रूपए रहा, जिसमें चावल, इस्पात, फेरो-एलॉय तथा एल्युमीनियम की विशिष्ट भूमिका रही।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, आस्ट्रेलिया, ओमान, ब्रिटेन और न्यूजीलैण्ड के साथ अनेक व्यापारिक समझौते किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को अधिसूचित किया गया है, जिससे राज्य का निर्यात दुगना करने का लक्ष्य है। इस दौरान उद्योग श्री देवांगन ने निर्यातकों तक एफ्टीए का लाभ पहुंचाने के लिए 4 प्रमुख घोषणाएं कीं। इनमें प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से छत्तीसगढ़ एफ्टीए एक्सेलेटर शुरू करना, छत्तीसगढ़ एफ्टीए मार्गदर्शिका का अंग्रेजी संस्करण दिसंबर 2026 में तथा हिंदी संस्करण जनवरी 2027 में उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा फरवरी 2027 तक प्रदेश के सभी संभागों में एफ्टीए कार्यशाला आयोजित करना तथा निर्यातकों को एफ्टीए संबंधी मार्गदर्शन व सहायता के लिए उद्योग संचालनालय में 15 जनवरी 2027 से एफ्टीए हेल्पडेस्क प्रारंभ किया जाएगा।

इसके पहले, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने प्रदेश में उद्योग की संभावनाओं तथा वैश्विक बाजार में उत्पादों की पहुंच सुगम बनाने पर प्रकाश डाला।

मुक्त व्यापार समझौते से खुलेंगे अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए अवसर

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव मनीष छाबड़ा ने मुक्त व्यापार समझौते की अवधारणा, उसकी उपयोगिता तथा भारतीय निर्यातकों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। इस विषय पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को एफ्टीए की कार्यप्रणाली एवं व्यापारिक संभावनाओं से अवगत कराया। संचालक, उद्योग श्री प्रभात मलिक ने राज्य के वर्तमान एवं भविष्य के निर्यात संभावित क्षेत्रों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर

कार्यशाला में निर्यात संवर्धन मिशन एवं जिलों को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के विषय पर डॉ. प्रवीण कुमार, संयुक्त महानिदेशक विदेश व्यापार, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने जानकारी दी। इस सत्र में जिला स्तर पर उपलब्ध उत्पादों एवं संसाधनों को निर्यात से जोड़ने तथा निर्यात गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के महत्व पर चर्चा की गई।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर 11 दिसंबर तक करें आवेदन

बिलासपुर। जिले में फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। नागरिक 11 दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटाने तथा आवश्यक संशोधन के लिए दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निराकरण 28 दिसंबर तक किया जाएगा तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज आयोजित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई। बताया गया कि जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में कुल 13 लाख 59 हजार 109 मतदाता हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, चालक की मौत दोस्त गंभीर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने के कारण एक युवक की मौत हो गई। घटना कोरबा के बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र के इंद्रा नगर इलाके में हुई। बताया गया कि स्कॉर्पियो में चालक समेत दो युवक सवार थे। तेज गति में गाड़ी अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना भयंकर था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और दूसरे घायल व्यक्ति को बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे अस्पताल के लिए भेजा गया। मृतक की पहचान रुपेश पटेल निवासी चाकाबुड़ा के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान आर्यन गोड़ निवासी ग्राम बुंदेली के रूप में हुई है। दोनों युवकों की उम्र करीब 18 वर्ष बताई जा रही है।

दुर्ग में गांजा बिक्री की फिराक में घूम रहा युवक गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पद्मनाभपुर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि उरला बांध पुल के नीचे रेलवे क्रॉसिंग के पास एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री करने की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पद्मनाभपुर पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान सूर्यदेव कोठारी उर्फ गोपा (26 वर्ष), निवासी कुंदरापारा, पोटियाकला, दुर्ग के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास रखी सफेद बोरी से 3 किलो 630 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा एक पिस्टल मय मैगजीन, 17 हजार 500 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त एक्टिवा भी जब्त की गई।

हेरोइन के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, नगदी व स्कूटी सहित 3 लाख से ज्यादा का सामान हुआ जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नहर किनारे शिव मंदिर के पास ट्रांसपोर्ट रोड खुर्सीपार में अवैध रूप से हेरोइन (चिट्टा) की बिक्री कर रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 12.06 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), जिसकी अनुमानित कीमत 2,41,300 है, बरामद कर जप्त की गई। मादक पदार्थ के अतिरिक्त 03 मोबाइल फोन, 16,100 नगद एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी सहित कुल 3,97,400 की सामग्री जप्त की गई। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 521/2026, धारा 8, 21(ख), 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।



खुर्सीपार पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नहर किनारे शिव मंदिर के पास ट्रांसपोर्ट रोड खुर्सीपार, भिलाई में कुछ व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) की बिक्री कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना खुर्सीपार पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्तियों ने मौके से भागने का प्रयास किया, जिन्हें पुलिस टीम ने तत्परता से घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम पी. तुलमा राव उर्फ चिंटू, मोंटी अरोरा एवं मोहम्मद आफताब बताया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से बिक्री हेतु रखा गया कुल 12.06 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 03 मोबाइल फोन, नगद रकम एवं एक स्कूटी बरामद की गई। समक्ष गवाहों के जप्ती की कार्रवाई की गई। आरोपियों के विरुद्ध थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 521/2026, धारा 8, 21(ख), 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दिनांक 12.11.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमाण्ड प्राप्त होने पर जेल दाखिल किया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना खुर्सीपार के थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम के अधिकारी-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी, आरोपियों की गिरफ्तारी एवं मादक पदार्थ सहित अन्य सामग्री की विधिवत जप्ती की कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने आसपास मादक पदार्थों की बिक्री, नशे के अवैध कारोबार अथवा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी। नशामुक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करें।

ट्रेनिंग के लिए जा रहे सीएएफ जवान हादसे का शिकार ट्रक की टक्कर से एक जवान गंभीर, दूसरे को भी चोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में गुरुवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के दो जवानों की मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में एक जवान का पैर पूरी तरह से कुचल गया, जबकि दूसरे को मामूली चोटें आईं।



घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की। उन्हें बेहतर उपचार के लिए तत्काल मेकाज अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा तोकापाल के पास कुशवाहा पेट्रोल पम्प के करीब हुआ। ट्रक ने पीछे से मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मारी थी। सीएएफ19 बटालियन के आरक्षक सुदुराम जुर्री (30 वर्ष) और दुर्गा प्रसाद (31 वर्ष) मोटरसाइकिल पर सवार थे। वे बीजापुर जिले के फरसागढ़ में स्थित अपनी बटालियन से निकले थे। दोनों जवान जगदलपुर के करणपुर में अपने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण के लिए जा रहे थे। हादसे में आरक्षक सुदुराम जुर्री का पैर बुरी तरह से कुचल गया, जिससे उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। घटना की सूचना मिलते ही परपा पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ट्रक को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हत्या के मामले में दोषी को सुनाई गई उम्र कैद की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। शराब पीने के बाद हुए विवाद में डेढ़ साल पहले हुई हत्या के मामले में दोषी को अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मृतक के सिर और माथा में गंभीर चोट मिले थे। मामले में तत्कालीन टी आई मुकेश सिंह और उनकी टीम द्वारा की सूक्ष्मता से की गई जांच के बाद अब जाकर नतीजा सामने आया है।

बता दें कि 10.6.2025 को प्रार्थी मोहित निषाद निवासी लोहारा द्वारा थाना डौंडी लोहारा प्रभारी निरीक्षक मुकेश सिंह को



सूचना दी गई थी कि विजय बघेल को जालम आमदो निवासी ग्राम भालूकोनहा ने शराब भट्ठी लोहारा के पास वाद विवाद होने के बाद लोहे के पाइप से सिर माथे में कई बार मार कर हत्या कर दी है।

इस संबंध में तत्काल विधिवत मर्ग एवं अपराध दर्ज कर विवेचना किया गया, जिसमें घटना में प्रयुक्त लोहे के पाइप को विधिवत जप्त कर रासायनिक जाँच कराया गया। मृतक के पीएम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हत्यात्मक प्रकृति का होने एवं सिर में गंभीर चोट लगने से होना पाया गया था।

विवेचना के दौरान घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर महत्वपूर्ण भौतिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य सीसीटीवी फुटेज संकलित किए गए। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्यों, वैज्ञानिक जांच एवं मैदानी विवेचना का प्रभावी उपयोग किया गया, जिससे पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल हुई, और आरोपी को आजीवन कारावास की सजा हुई है। राज्य शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक घनश्याम सिंह साहू द्वारा प्रकरण में पैरवी गई।

जमीन विवाद में युवती की चाकू मारकर हत्या, आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलाईगढ़। जमीन विवाद को लेकर एक युवती की चाकू मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पूरा मामला सारंगढ़-सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पिंडरी गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतिका की पहचान तुलबाई जांगड़े (35 वर्ष), निवासी पिंडरी के रूप में हुई है। वह पिछले कुछ वर्षों से मेडहापाली भोजपुर गांव में रह रही थी। बताया जा रहा है कि वह गुरुवार को किसी काम से अपने गांव पिंडरी आई हुई थी। इसी दौरान जमीन विवाद को लेकर परिवार के ही एक नाबालिग युवक के साथ उसका विवाद हो गया।



देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और युवक ने चाकू से युवती पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल तुलबाई को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी नाबालिग मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस घटना स्थल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस फरार नाबालिग की तलाश में जुटी हुई है। घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

पड़ोस में मिट्टी मांगने गई महिला के साथ दरिंदगी, घर में बंधक बनाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दुष्कर्म और उसे जबरन बंधक बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शिकायत मिलते ही बांकीमोंगरा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता पड़ोस के घर मिट्टी मांगने गई थी। वहां मौजूद आरोपी राजा ठाकुर ने घर का दरवाजा बंद कर दिया। उसने कथित तौर पर महिला के साथ



जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने महिला को बंधक बनाकर भी रखा। किसी तरह पीड़िता वहां से छूटकर बाहर निकली। वह सीधे बांकीमोंगरा थाना पहुंची और पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर तत्काल अपराध क्रमांक 233/2026 दर्ज किया। यह अपराध भारतीय न्याय संहिता लनकी धारा 64(1) एवं 127(2) के तहत पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने महिला संबंधी अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की तलाश शुरू की।

पुलिस टीम ने मामले के आरोपी राजा ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। राजा ठाकुर पिता प्रभोद सिंह ठाकुर, उम्र 39 वर्ष, निवासी मकान नंबर 147, पटेलपारा, जंगल साइड का रहने वाला है। आरोपी से पूछताछ के बाद आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस अब उसे न्यायालय में पेश करेगी।

बांकीमोंगरा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में महिला संबंधी अपराधों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में त्वरित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है और पीड़िता के बयान के आधार पर साक्ष्य जुटा रही है।

ट्रक में जा घुसी बाइक, दो की मौत, एक गंभीर

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के भाटापारा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम खपराडीह के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ट्रक में जा घुसी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार तीनों युवक भाटापारा के ग्राम आलेसुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। ट्रक से टकराने के बाद दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही भाटापारा ग्रामीण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और बाइक ट्रक में कैसे जा घुसी, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस जांच के बाद ही दुर्घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

धान खरीदी से पहले प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 7 ठिकानों पर छापेमारी, 200 क्विंटल से अधिक धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले बिलासपुर जिला प्रशासन ने अवैध धान संग्रहण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में सात अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर कुल 200.40 क्विंटल धान जब्त किया है। सभी मामलों में मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। प्रशासन की संयुक्त टीम ने चकरभाठा, कोटा, गतौरा, बेलगहना, किरारी और मझवानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान व्यापारिक प्रतिष्ठानों और किराना दुकानों में अवैध रूप से संग्रहित धान मिलने पर जब्ती की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान नानक ट्रेडर्स से 28 क्विंटल, कृष्णा धान भंडार से 24 क्विंटल



और श्रीराम राइस मिल से 50.40 क्विंटल धान जब्त किया गया। इसी तरह अमर किराना स्टोर्स से 28 क्विंटल, विशेष ट्रेडर्स से 24 क्विंटल, राम गोपाल किराना स्टोर्स से 26 क्विंटल और पप्पू किराना स्टोर से 20 क्विंटल धान बरामद किया गया।

15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर खरीदी

गौरतलब है कि प्रदेश में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने जा रही है। ऐसे में उपार्जन केंद्रों में अवैध रूप से धान खपाने और बिचौलियों के जरिए धान की आवक बढ़ाने की आशंकाओं को देखते हुए प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है।

जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों की नजर धान के अवैध भंडारण, परिवहन और खरीदी केंद्रों में अनियमित तरीके से धान खपाने की कोशिशों पर है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

नाम परिवर्तन

मैं सरजू साहू **SARJU SAHU** पिता सोमनाथ साहू पता मकान नं. 84 धनोरा दुर्ग छ.ग. का निवासी हूं। यह कि मैनें एलआईसी की पॉलिसी लिया था जिसका पॉलिसी नं 386877223 है । पॉलिसी में मेरा नाम **FAGUWA SAHU** दर्ज है। यह कि मेरे आधार कार्ड 454313312497 में व इण्डियन ओवरसीज बैंक जिसका खाता नं. 232601000000935 के पासबुक में मेरा नाम सरजू साहू **SARJU SAHU** दर्ज है। यह कि सरजू साहू **SARJU SAHU** तथा **FAGUWA SAHU** दोनों अलग-अलग नाम है किन्तु व्यक्ति एक अर्थात दोनों ही नाम मेरा नाम है। यह शपथपत्र एलआईसी भिलाई के सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष अपना नाम आधार कार्ड के आधार पर सरजू साहू **SARJU SAHU** को दर्ज करने हेतु यह शपथपत्र पेश कर रहा हूँ ।

सरजू साहू
मकान नं. 84 धनोरा दुर्ग छ.ग.

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W in new Registration system (unified Registration system) for the following work:-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
144/SE E/M/2026-27 (Ist Call) System Tender No 203744 Registered contractor class in 'D' & above For Form A (Percentage Rate)	PROVIDING & FIXING OF CABLE LAYING WORK FROM LT DISTRIBUTION ELECTRICAL PANEL TO WATER TREATMENT PLANT AT III BHILAI, DURG, DIST.-DURG (C.G.)	Rs 15.85 Lacs
145/SE E/M/2026-27 (Ist Call) System Tender No 203746 Registered contractor class in 'D' & above For Form B (Item Rate)	SUPPLYING & FIXING OF COMPUTER MATERIAL FOR UNDER CONSTRUCTION LOKBHAWAN, SECTOR 24, NAVA RAIPUR,C.G.	Rs 37.13 Lacs
146/SE E/M/2026-27 (Ist Call) System Tender No 203745 Registered contractor class in 'C' & above For Form B (Iteme Rate)	SUPLYING & FIXING OF DIFFERENT ELECTRICAL ITEM FOR UNDER CONSTRUCTION LOKBHAWAN, SECTOR 24, NAVA RAIPUR,C.G.	Rs 188.93 Lacs
147/SE E/M/2026-27 (Ist Call) System Tender No 203749 Registered contractor class in 'D' & above For Form A (Percentage Rate)	RAISING HEIGHT AND 33 KV TP/33KV LINE/11KV LINE/LT LINE/X-MER DP/33KV DP AT TENDUNALA-DARRABANDHA-ADAM-ASARA ROAD, DISTRICT RAJNANDGAON (C.G.)	Rs 24.75 Lacs
148/SE E/M/2026-27 (Ist Call) System Tender No 203747 Registered contractor class In 'D' & above For Form A (Percentage Rate)	FOR PROVIDING & FIXING ORDINARY MAINTENANCE OF ELECTRIFICATION AND SUPPLY OF ELECTRICAL MATERIALS IN 344 HIG QTRS AT SECTOR – 29 NAVA RAIPUR UNDER PWD E/M SUB DIVISION NAVA RAIPUR ATAL NAGAR (C.G.)	Rs 23.33 Lacs

Date of bid submission **27-11-2026** The tender documents can be downloaded from the web-portal **http://eproc.cgstate.gov.in.** Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

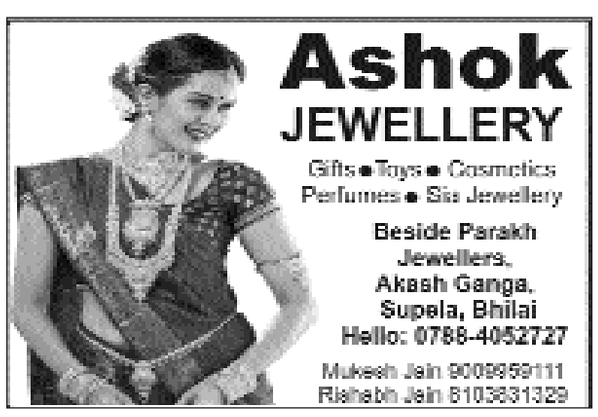
G- 262704472/ 12

Superintending Engineer
P.W. D. (E&M) Circle Raipur (C. G.)

अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र में कर्मचारी की मौत कारणों की जांच में जुटी पुलिस

बलौदाबाजार। रावन स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र में कार्य के दौरान कर्मचारी की मौत का मामला सामने आया है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा।

बताया जा रहा है कि अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र, रावन में धर्मकांटा में कार्यरत भुनेश्वर यादव (57 वर्ष) निवासी ग्राम चरौदा, थाना पलारी की कार्य के दौरान मौत हो गई। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची सुहेला पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। कर्मचारी की मौत की वजह हार्ट अटैक या कुछ और है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगा।







साय सरकार का ऐतिहासिक निर्णय...

अब 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी मिलेगी प्रति एकड़ 13,839 रुपए की आदान सहायता

कम उत्पादन वाले क्षेत्रों के किसानों को मिलेगी बड़ी राहत, लघु-सीमांत एवं जनजातीय अंचलों के किसान होंगे विशेष रूप से लाभान्वित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों के हित में राज्य सरकार के एक महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए घोषणा की कि अब निर्धारित अधिकतम मात्रा से कम धान बेचने वाले किसानों को भी प्रति एकड़ के मान से एकसमान 13 हजार 839 रुपए की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल से कम मात्रा में धान उपार्जन के लिए उपलब्ध कराता है, तब भी उसे प्रति एकड़ के मान से आदान सहायता राशि का लाभ मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के किसानों, लघु एवं सीमांत कृषकों तथा जनजातीय अंचलों के किसान परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय आज रायपुर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।



गन्ना किसानों को भी बड़ी राहत, आठ वर्ष पुरानी उपार्जन दर में 70 रुपए की वृद्धि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रेस वार्ता में गन्ना किसानों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले आठ वर्षों से गन्ने की उपार्जन दर 355 रुपए प्रति क्विंटल थी। हमारी सरकार ने किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए इसे बढ़ाकर 425 रुपए प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया है। इस प्रकार गन्ने की घोषित उपार्जन दर में 70 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) तथा राज्य सरकार की घोषित दर के बीच की अंतर राशि गन्ना बोनस के रूप में प्रदान की जाएगी। विशेष बात यह है कि पेराई सत्र 2025-26 में खरीदे गए गन्ने के लिए भी बढ़ी हुई दर का लाभ किसानों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय गन्ना उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ ही प्रदेश में फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित करेगा।

जनजातीय समाज के विकास और सम्मान के लिए ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समाज के कल्याण के लिए अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की। उनके नेतृत्व में ही जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों का गठन हुआ। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सशक्तीकरण को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन अभियान के माध्यम से देश के 75 विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समुदायों के 12 लाख 37 हजार परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत देश के लगभग 63 हजार गांवों के पांच करोड़ से अधिक लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। छत्तीसगढ़ के 6,691 गांव भी इस अभियान में शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में 75 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय संचालित हैं। जनजातीय बच्चों को गोंडी और हल्बी जैसी स्थानीय भाषाओं में शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। ओरछा और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। गीदम और कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं।

तेंदूपत्ता संग्राहकों और वनवासी परिवारों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध सरकार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के लाखों जनजातीय परिवारों की आजीविका वनोपज पर निर्भर है। हमारी सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4,000 रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा की है। चरणपादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2025 में 12 लाख 40 हजार महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरणपादुका वितरित की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 67 प्रकार की लघु वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है, जिससे लगभग चार लाख संग्राहक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि जंगलों में रहने वाले परिवारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और वन संपदा उनकी आर्थिक समृद्धि का आधार बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। जिन जनजातीय क्षेत्रों में कभी हिंसा और भय का वातावरण था, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी किसान कम उत्पादन के कारण शासन की सहायता से वंचित न रहे। छत्तीसगढ़ के अनेक जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों और सिंचाई सुविधाओं की सीमित उपलब्धता के कारण कृषि उत्पादकता अपेक्षाकृत कम रहती है। ऐसे क्षेत्रों के किसानों के लिए यह निर्णय विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ ही उनकी आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष प्रदेश में लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी की जाएगी। किसानों की सुविधा और खरीदी व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 360 नए उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कुल 3,100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। इससे किसानों को अपने नजदीकी केंद्रों पर उपज बेचने की सुविधा मिलेगी और परिवहन संबंधी परेशानियां भी कम होंगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इससे देश के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिला है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने भगवान बिरसा मुंडा के उलगुलान आंदोलन का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करने के साथ ही जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति, परंपराओं और स्वाभिमान की रक्षा का संदेश दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह, परलकोट विद्रोह के नायक शहीद गेंद सिंह और भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर के बलिदान और शौर्य को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बने। इस संकल्प की सिद्धि में जनजातीय समाज की बराबर की भागीदारी सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों तक शासन की प्रत्येक योजना का लाभ पहुंचाना, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सम्मानजनक आजीविका, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार तथा अपनी भाषा और संस्कृति के संरक्षण के साथ विकास के नए अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए किसान कल्याण और जनजातीय विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। धान की आदान सहायता राशि के संबंध में लिया गया नया निर्णय इसी सोच का परिणाम है। हम चाहते हैं कि बस्तर से सरगुजा तक हर किसान और हर जनजातीय परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े तथा समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बने। मुख्यमंत्री साय ने अंत में समस्त प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

नवा रायपुर में 20 एकड़ में बने सर्वसुविधायुक्त विद्यालय परिसर और संभागों के 207 स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने का निर्णय

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और औद्योगिक निवेश को तेजी से बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति की एक उच्च-स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग से जुड़े कई प्रमुख प्रस्तावों की गहन समीक्षा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, उच्च गुणवत्ता वाला और निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य में निवेशकों और नागरिकों को अनुकूल माहौल मिल सके।

बैठक में नवा रायपुर, अटल नगर में लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में नवनिर्मित विद्यालय परिसर को संचालन, रख-रखाव एवं हस्तांतरण आधारित पीपीपी मॉडल पर संचालित करने के प्रस्ताव पर विचार किया गया। इस विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। कुल 960 सीटें रहेंगी, जिनमें प्रत्येक कक्षा में 2 सेक्शन और प्रति सेक्शन 40 विद्यार्थी होंगे। इसमें 25 प्रतिशत आर.टी.ई. (त्ज्म्) सीटों के साथ-साथ शासकीय कोटे की अतिरिक्त निःशुल्क सीटें भी शामिल रहेंगी।

अनुबंध और गुणवत्ता: अनुबंध की अवधि 30 वर्ष होगी, जिसे कार्यदक्षता के आधार पर केवल एक बार 10 वर्ष के लिए (अधिकतम 40 वर्ष तक) बढ़ाया जा सकेगा। शिक्षा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए 5 डोमेन और 100 अंकों पर आधारित 17 मुख्य प्रदर्शन संकेतक (ज्ञच्ब्) तय किए गए हैं।

राज्य के विद्यार्थियों को सीबीएसई मानकों के अनुरूप अंग्रेजी माध्यम शिक्षा उपलब्ध कराने और शासकीय भवनों के अधिकतम उपयोग के उद्देश्य से, राज्य के 5 संभागों के 207 विद्यालयों (103 प्राथमिक एवं 104 पूर्व माध्यमिक शालाएं) को ओएमटी आधारित पीपीपी मॉडल पर 30 वर्ष की लीज पर संचालित करने के प्रस्ताव की समीक्षा की गई। इन विद्यालयों का स्वामित्व पूरी तरह शासन के पास ही रहेगा।

शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क: वर्तमान में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रखने के लिए शाला के स्तर अथवा उच्चतम कक्षा से उत्तीर्ण होने तक आर.टी.ई. की दर के अनुसार शासन द्वारा भुगतान किया जाएगा, जिससे बच्चों की शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क जारी रहेगी।

बिलासपुर में ट्रांसपोर्ट नगर प्रोजेक्ट को गति: बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत बिलासपुर में शहर की लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर प्रोजेक्ट के न्यूनतम विकास दायित्वों और प्री-बिड बैठक में मिले सुझावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस उच्च-स्तरीय बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, वित्त विभाग एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव भूवनेश यादव, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव बसवराजु एस., खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, सीएसआईडीसी के एमडी विश्वेश कुमार सहित वित्त विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने एशियन पैरा गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री साय ने कहा - दोनों खिलाड़ियों का साहस, संघर्ष और संकल्प प्रदेश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एशियन पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाले प्रदेश के दो प्रतिभाशाली पैरा खिलाड़ियों तोमन कुमार और अभिजीत सखूजा को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पैरा तीरंदाजी में स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार को 51 लाख रुपए और पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक विजेता अभिजीत सखूजा को 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को शाल एवं बस्तर कला का प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में चुनौतियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, यदि मन में दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो सफलता का कोई भी शिखर असंभव नहीं है। तोमन कुमार और अभिजीत सखूजा ने अपने साहस, कठिन परिश्रम और असाधारण खेल प्रतिभा से इसे सिद्ध कर दिखाया है। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संघर्ष से सफलता तक की ऐसी प्रेरक गाथाएं हैं, जो प्रदेश के हजारों युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का हौसला देंगी।

बालोद जिले के ग्राम नवागांव निवासी तोमन कुमार की सफलता की कहानी अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन में सेवा के दौरान वर्ष 2022 में झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के समय हुए आईईडी विस्फोट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना में उन्हें अपना बायां पैर गंवाना पड़ा। जीवन की इस कठिन परिस्थिति में भी उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2023 में पैरा तीरंदाजी की शुरुआत की और निरंतर अभ्यास, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री तोमन कुमार के साहस को नमन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले इस वीर जवान ने खेल के मैदान में भी अपनी अदम्य इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। नक्सलियों के विस्फोट ने उनका एक पैर जरूर छीन लिया, लेकिन देश के लिए कुछ कर दिखाने का उनका जज्बा नहीं छीन सका। पहले मातृभूमि की रक्षा और अब अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाकर उन्होंने छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

बिलासपुर निवासी अभिजीत सखूजा ने भी अपनी मेहनत और लगन से सफलता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। बचपन से क्लब फुट की शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे श्री सखूजा ने परिस्थितियों को अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने पैरा बैडमिंटन को अपना लक्ष्य बनाया और कठिन अभ्यास तथा अनुशासन के बल पर अपनी खेल प्रतिभा को निखारा। एशियन पैरा गेम्स में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने साबित किया कि मजबूत इरादों और निरंतर प्रयास से हर चुनौती को पार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिजीत सखूजा की उपलब्धि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद जीवन में आगे बढ़ने का सपना देखते हैं। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के परिवारजनों को भी बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सफलता के पीछे परिवार का त्याग, विश्वास और प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से पैरा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं के अंतर्गत 3 लाख रुपए तक की टीए-डीए सहायता भी प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि तोमन कुमार और अभिजीत सखूजा आने वाले समय में भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं और पैरालंपिक में देश के लिए और अधिक पदक जीतेंगे। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का नया वातावरण बना है। प्रधानमंत्री के प्रेरक संदेश 'जितना खेलेंगे, उतना ही खिलेंगे' की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक खेल सुश्री आकांक्षा शिक्षा खलखो सहित दोनों खिलाड़ियों के परिवारजन उपस्थित थे।

लोक भवन में दीपावली मिलन समारोह आयोजित, राज्यपाल रमेन डेका ने कर्मचारियों को दीपावली उपहार भेंट किए

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका की उपस्थिति में दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में लोक भवन के अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर लोक भवन परिवार के सदस्यों और उनके बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और उमंग का वातावरण बना दिया। समारोह के दौरान लोक भवन के कर्मचारियों और उनके परिजनों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने भी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली के उपहार भी भेंट किए। इस अवसर पर राज्यपाल ने सत्यम योग संस्थान के सदस्यों को भी सम्मानित किया। योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और उसके माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के लिए उन्होंने संस्थान के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

राज्यपाल रमेन डेका ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे का संदेश देता है। ऐसे आयोजन सभी को एक-दूसरे के साथ जुड़ने और पारिवारिक आत्मीयता के साथ त्योहार मनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने समारोह में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए लोक भवन परिवार के सभी सदस्यों की सराहना की।

समारोह में राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे सहित लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950